RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण sabsetejprj2023@gmail.com मंगलवार , 21 जुलाई 2026 वर्ष: 04, अंक: 121 पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रू.

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

संसद मार्च से पहले बवाल: प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज

पुलिस ने किया लाठीचार्ज, कई आंदोलनकारी घायल, कई पुलिसवाले भी हुए घायल, 'मेरा अनशन जारी रहेगा, जब तक...', छात्रों की आवाज संसद तक पहुंचाने पर अड़े सोनम वांगचुक

नई दिल्ली/एजेंसी

संसद के मानसून सत्र के पहले ही दिन सोमवार को राजधानी दिल्ली का सियासी माहौल गरमा गया। प्रतियोगी परीक्षाओं, खासकर नीट-यूजी समेत विभिन्न भर्ती परीक्षाओं के कथित पेपर लीक के विरोध में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के आह्वान पर जंतर-मंतर से संसद तक निकाले गए मार्च में हजारों प्रदर्शनकारी उमड़ पड़े। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर निकले इस मार्च के मद्देनजर संसद भवन और आसपास के पूरे इलाके को सुरक्षा घेरे में लिया गया, लेकिन प्रदर्शनकारी संसद के गेट तक पहुंच गए। प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिस ने आंसु गैस के गोले दोगे। सूत्रों के मुताबिक, सुरक्षा एजेंसियों ने करीब पांच हजार लोगों के जुटने का अनुमान लगाया था, लेकिन जंतर-मंतर पर 10 से 12 हजार से अधिक प्रदर्शनकारी पहुंच गए। भीड़ बढ़ने के बाद दिल्ली पुलिस और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) को अतिरिक्त सतर्कता बरतनी पड़ी। संसद के सभी प्रवेश द्वार बंद कर दिए गए और सुरक्षा कर्मियों को रणनीतिक स्थानों पर तैनात कर दिया गया। सूत्रों की मानें तो सुरक्षा एजेंसी के पास इनपुट सहीं मिले। देखते ही देखते भीड़ की संख्या 50 हजार से ऊपर हो गई। मार्च के दौरान कई स्थानों पर प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की और झड़प की भी खबरें सामने आईं। कुछ स्थानों पर पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोकने के लिए बल प्रयोग किया, जिसमें कई लोगों के घायल हुए। संसद मार्च से पहले बवाल कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संसद मार्च से पहले सोमवार को राजधानी दिल्ली में तनावपूर्ण माहौल बन गया। जंतर-मंतर की ओर बढ़ रहे प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच कई स्थानों पर तीखी झड़प हुई।

प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले भी छोड़े गए

पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पहले बैरिकेडिंग की और जब भीड़ आगे बढ़ने लगी तो लाठीचार्ज किया। वहीं, रेल भवन के पास प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले भी छोड़े गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह से ही सैकड़ों छात्र और युवा मंडी हाउस मेट्रो स्टेशन पर जुटने लगे थे। वहां से वे पैदल मार्च करते हुए जंतर-मंतर स्थित धरना स्थल तक पहुंचने की कोशिश कर रहे थे। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिला प्रदर्शनकारी भी शामिल थीं। प्रदर्शनकारी केंद्र सरकार और शिक्षा मंत्री के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आगे बढ़ रहे थे। पुलिस ने पहले से ही जंतर-मंतर और संसद मार्ग की ओर जाने वाले रास्तों पर भारी बैरिकेडिंग कर रखी थी। जब प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड हटाकर आगे बढ़ने का प्रयास किया तो पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए बल प्रयोग किया। इसके बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और कई प्रदर्शनकारी इधर-उधर भागते नजर आए। रेल भवन के पास स्थिति अधिक तनावपूर्ण हो गई। यहां पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई।

पुलिस ने कई छात्र नेताओं और युवाओं को हिरासत में लिया

कई वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए हैं, जिनमें पुलिस लाठीचार्ज करती और प्रदर्शनकारी बैरिकेड पार करने की कोशिश करते दिखाई दे रहे हैं। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने कई छात्र नेताओं और युवाओं को हिरासत में लिया। हिरासत में लिए गए लोगों को बसों में बैठाकर अलग-अलग स्थानों पर ले जाया गया। हालांकि, पुलिस की कार्रवाई के बावजूद कई समूह अलग-अलग रास्तों से जंतर-मंतर और संसद मार्ग की ओर बढ़ने का प्रयास करते रहे। प्रदर्शन को देखते हुए दिल्ली मेट्रो के जनपथ और पटेल चौक समेत कई स्टेशनों के प्रवेश और निकास द्वार एहतियातन बंद कर दिए गए।

प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हुई झड़प

नई दिल्ली/एजेंसी

कॉकरोच जनता पार्टी ने सोमवार को जंतर-मंतर से संसद तक मार्च निकाला। सुबह 8 से शाम 5 बजे तक चले प्रदर्शन के दौरान कई बार प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हुई। सुबह 8 बजे शुरू हुए प्रदर्शन में 10 बजे प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़कर संसद की ओर मार्च किया। आंदोलनकारी जंतर-मंतर से संसद मार्ग, जनपथ चौराहा, वॉर मेमोरियल, कर्तव्य पथ, विजय चौक होते हुए संसद के करीब पहुंचे। संसद में घुसने की कोशिश की, जिसके बाद संसद की सुरक्षा बढ़ा दी गई, मुख्य द्वार बंद कर दिया गया। पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। देर शाम को पथराव की तस्वीरें भी सामने आईं। इसमें 50 से ज्यादा पुलिसकर्मी और इतने ही प्रदर्शनकारी भी घायल हुए। सीजेपी ने आरोप लगाया कि निहत्थे आंदोलनकारियों पर पुलिस ने लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोल दागे। इस दौरान कई लोगों के घायल होने की फोटो सामने आईं। पुलिस ने शाम 5 बजे तक जंतर-मंतर को खाली करा लिया।

'मेरा अनशन जारी रहेगा, जब तक...', छात्रों की आवाज संसद तक पहुंचाने पर अड़े वांगचुक

सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने सोमवार को अपनी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल जारी रखने का एलान किया है। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के 'संसद चलो' मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों पर पुलिस कार्रवाई से दुखी होकर उन्होंने कहा कि वह अपना उपवास तब तक आगे बढ़ाएंगे जब तक कि युवा नेताओं को सांसदों से मिलने की अनुमति नहीं दी जाती या उन्हें खुद अस्पताल में सांसदों से मिलने की इजाजत नहीं मिलती।

नोट लिखकर जारी किया संदेश

सफदरजंग अस्पताल से जारी एक हस्तलिखित बयान में वांगचुक ने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे युवाओं के साथ जिस तरह का व्यवहार किया गया है, उसे देखते हुए मैंने अपना उपवास तब तक जारी रखने का फैसला किया है जब तक युवा नेताओं को संसद भवन में सांसदों से मिलने नहीं दिया जाता, या फिर मुझे अस्पताल में उनसे मिलने की अनुमति नहीं मिलती। उन्होंने आगे कहा, 'उम्मीद है कि सरकार इससे पहले शिक्षा मंत्री की जवाबदेही तय करेगी।'

ईरान के कई शहरों में विस्फोट, इराक पर ड्रोन हमले में अमेरिकी सैनिक की मौत

तेहरान/वाशिंगटन/एजेंसी

होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच छिड़ी जंग से पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर है। अमेरिका के हवाई हमले से ईरान के कई शहरों में धमाके हुए हैं। इराक पर हुए ड्रोन हमले में एक अमेरिकी सैनिक की मौत से हालात और नाजुक हो गए हैं। इस लड़ाई के बीच लेबनान के राष्ट्रपति अमेरिका के शीर्ष अधिकारियों से बातचीत के लिए वाशिंगटन पहुंच चुके हैं। ईरान ने अमेरिका पर उसके डारखोविन परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर हमले का आरोप लगाया है। अल जजीरा, सीएनएन, सीबीएस और एबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी मध्य कमान (सेंटकॉम) ने कहा कि उसकी सेना ने रविवार शाम ईरान के खिलाफ हमलों का एक और दौर शुरू किया। अमेरिकी सेना ने लगातार नौवीं रात हवाई हमले किए। यह सिलसिला जारी रहेगा। उधर, इराक में ईरानी ड्रोन से जुड़ी घटना में एक अमेरिकी सैनिक की मौत हो गई है। इसके बाद अमेरिका ने ईरान पर नए हवाई हमले किए। इस जंग के बीच लेबनान के राष्ट्रपति की वाशिंगटन यात्रा चर्चा में है।

Reg. No.: 0917500106

सत्यम शिवम हास्पिटल

टिकरी, कौड़िहार, प्रयागराज

संचालित सत्यम पब्लिक एजूकेशनल सोसाइटी 9/9/1A लुकरगंज प्रयागराज के द्वारा

नोट :- हमारे यहाँ हर समय विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध है और सभी प्रकार का इलाज कुशलता से किया जाता है।

- 150 बेड की व्यवस्था
- आई0 सी0 यू0
- एन0 आई0 सी0यू0
- आपरेशन थियेटर
- वेन्टीलेटर, वाई0 पैप
- ओ0पी0डी0
- ई0 सी0 जी0
- डिजिटल एक्स-रे
- पैथोलॉजी
- अल्ट्रासाउण्ड
- नार्मल डिलीवरी
- आपरेशन से डिलीवरी की व्यवस्था
- 24 घंटा ऑक्सीजन की सुविधा
- 24 घंटा इमरजेन्सी की सुविधा
- एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध

निर्देशक : संजय शुक्ल

सम्पर्क सूत्र : 9451181332, 9198860735

4

कालेज कोड 01083

सत्यम् शिवम् शुभम् ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स

टिकरी, धरवनपुर, प्रयागराज

सम्बद्ध प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

छात्रवृति की सुविधा भी उपलब्ध है।

Website : http.sssgroup.co.in

हेल्पलाइन नं.: 9451181332, 9198860735

संजय शुक्ल
चेयरमैन

Course

B.A., M.A., B.Sc, M.Sc., (Ag)
B.Com., M.Com., LL.B.
B.A.LL.B., B.Pharma
D.Pharma, ITI, BTC.

राजकुमारी शुक्ला
निर्देशक

1

तालाब में डूबने से युवक की मौत,परिजनों में मचा कोहराम

सबसे तेज प्रयागराज

कौशाम्बी। पश्चिम शरीरा थाना क्षेत्र के पूरब शरीरा में सोमवार की शाम एक युवक की तालाब में डूबने से मौत हो गई। ग्रामीणों और पुलिस ने लगभग दो घंटे के मेहनत के बाद युवक का शव तालाब से बाहर निकाला और कब्जे में लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया पुलिस जांच में जुटी हुई है। युवक को मौत के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है मौके पर तमाम लोगों की भीड़ लगी हुई है।

जानकारी के मुताबिक पश्चिम शरीरा थाना क्षेत्र के पूरब शरीरा स्थित रतन का डेरा निवासी मंजीत कुमार उम्र 28 वर्ष पुत्र अमृतलाल सोमवार की शाम को दैनिक क्रिया के लिए तालाब की ओर गए थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार,तालाब के किनारे उनका पैर फिसल गया और वे गहरे पानी में चले गए। शोर सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और उन्हें बचाने का प्रयास किया,लेकिन सफल नहीं हो सके।सूचना मिलने पर पश्चिम शरीरा पुलिस मौके पर पहुंची ग्रामीणों और परिजनों की मदद से बचाव अभियान शुरू किया। लगभग दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद युवक को तालाब से बाहर निकाला गया। और उसे तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया,जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया थाना प्रभारी बैकुण्ठ नाथ पांडेय ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है,मामला दुर्घटनावश तालाब में डूबने का प्रतीत हो रहा है। इस मामले में अभी तक कोई तहरीर नहीं मिली है तहरीर के आधार पर करवाई की जाएगी।

नाबालिग के अपहरण एवं पॉक्सो का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर । एसपी अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित/वारंटियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना राधानगर पुलिस द्वारा पाक्सो एक्ट से संबंधित वांछित अभियुक्त अमरीश पुत्र राजेश निवासी दुल्हापुर थाना ललौली जनपद फतेहपुर उम्र 22 वर्ष को गिरफ्तार किया गया।

खखरेरू पुलिस द्वारा वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार

फतेहपुर । पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित/वारंटियों की गिरफ्तारी एवं अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में सोमवार को थाना खखरेरू पुलिस द्वारा वारंटी अभियुक्त विमलेश उर्फ सुनील पुत्र स्व० दुल्ला उर्फ अमरनाथ निवासी मोहल्ला मुराईन टोला कड़ा, थाना कड़ाधाम, जनपद कौशाम्बी (पूर्व पता- कड़ा थाना सैनी जनपद कौशाम्बी), उम्र करीब 27 वर्ष को नियमानुसार गिरफ्तार किया।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने समस्त मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय/राज्जीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. अमित पाल ने आज एन.आई.सी. सभागार में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियत कार्यक्रम के अनुसार विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों के मतदेय स्थलों के संभाजन के सम्बन्ध में समस्त मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय/राज्जीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय/राज्जीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को अवगत कराया कि विधान सभा सामान्य निर्वाचन- 2027 के लिए दिनांक 04-07-2026 को आलेख्य रूप से प्रस्तावित किये गये मतदेय स्थलों के सम्बन्ध में यदि कोई सुझाव/आपत्ति हो तो आज ही लिखित रूप में सम्बंधित उप जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन कार्यालय में उपलब्ध करा दिया जाए, जिससे जांचोपरांत आवश्यक कार्यवाही कराते हुए मतदेय स्थलों के प्रस्ताव दिनांक 28-07-2026 तक मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उ0प्र0, लखनऊ को भेजा जा सके।

बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी शालिनी प्रभाकर, उप जिलाधिकारी मंझनपुर राजकुमार मौर्य, उप जिलाधिकारी सिराथू प्रमेश श्रीवास्तव एवं उप जिलाधिकारी चायल प्रेरणा गौतम तथा जिला कोषाध्यक्ष भा. ज.पा. आशीष कुमार, जिला सचिव स.पा. प्रदीप चौधरी, विधान सभा अध्यक्ष ब. स.पा. बंशीलाल चौधरी, जिला मंत्री कांग्रेस हेमंत कुमार एवं पूर्व जिलाध्यक्ष अपना दल (एस) देव नारायण सिंह पटेल उपस्थित रहें।

करारी पुलिस द्वारा चैन स्नैचिंग का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । रविवार थाना करारी पर वादि कुन्दन पुत्र सम्पत सरोज निवासी ग्राम भेलखा थाना मंझनपुर जनपद कौशाम्बी द्वारा सूचना दी गयी कि अभियुक्त फूलचन्द पुत्र गुलजार करारी बाजार में मेरी नानी के गले की चेन का झपट्टा मारकर भाग गया है ।

रविवार थाना करारी पुलिस टीम द्वारा गस्त/चेकिंग के दौरान मुखबिर खास की सूचना के आधार पर उक्त स्नैचिंग की घटना से संबंधित वांछित अभियुक्त फूलचन्द्र पुत्र गुलजार निवासी ग्राम जमदुआ थाना करारी जनपद कौशाम्बी को बदलेपुर नहर के पास से गिरफ्तार किया गया । अभियुक्त के कब्जे से छिनी गयी एक अदद पीली धातु की लाकेट बरामद किया गया ।

दुष्कर्म के वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार

कौशांबी। 14 जुलाई को थाना मंझनपुर पर वादिनी द्वारा सूचना दी गयी कि अभियुक्त अखिलेश द्वारा मेरे घर में घुसकर जबरन मेरे हाथ पकड़कर मेरे साथ जबरजस्ती की गयी व शोर मचाने पर मेरे पति के आ जाने पर उनके द्वारा मेरे पति के आ जाने पर जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गया । प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना मंझनपुर पर तत्काल सुसंगत धाराओं मे अभियोग पंजीकृत किया गया था ।

सोमवार थाना मंझनपुर पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुए मुखबिर खास की सूचना के आधार पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त अखिलेश पुत्र मंगल प्रसाद धोबी निवासी कैनी थाना मंझनपुर जनपद कौशाम्बी को मलाकिया तिराहा के पास से गिरफ्तार किया गया है ।

शिक्षा व्यक्ति के व्यक्तित्व निर्माण, आत्मनिर्भरता एवं उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है- अभिमन्यु

एसपी ने छात्राओं से किया गया शिक्षा संबंधी प्रेरणादायी संवाद

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक द्वारा पुलिस कार्यालय में सरस्वती विद्या मंदिर की छात्राओं से शिक्षा संबंधी प्रेरणादायी संवाद किया गया।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने छात्राओं को शिक्षा के महत्व, अनुशासन, आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच एवं जीवन में निर्धारित लक्ष्य के प्रति समर्पित रहकर निरंतर प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यक्ति के व्यक्तित्व निर्माण, आत्मनिर्भरता एवं उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। साथ ही छात्राओं को कठिन परिश्रम, नैतिक मूल्यों एवं समय के सदुपयोग का महत्व बताते हुए जीवन में सदैव आगे बढ़ने का संदेश दिया।

संवाद के दौरान छात्राओं द्वारा शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं, करियर निर्माण एवं पुलिस सेवा से संबंधित विभिन्न जिज्ञासाएं व्यक्त की गईं, जिनका पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा सरल एवं प्रेरणादायी ढंग से समाधान किया गया।

उन्होंने छात्राओं को समाज एवं राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए एक जागरूक, जिम्मेदार एवं सशक्त नागरिक बनने के लिए भी प्रेरित किया।

छात्राओं ने पुलिस अधीक्षक के प्रति आभार व्यक्त किया तथा इस प्रेरणादायी संवाद को अपने लिए अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणास्पद बताया।

दुष्कर्म का वांछित अभियुक्त पकड़ा गया

कौशांबी। 7 जुलाई को थाना सराय अकिल पर वादी द्वारा सूचना दी गयी कि मेरी पुत्री की शादी फरवरी 2025 में ग्राम बेरई में किया था शादी के बाद से ही उसके ससुरालीजनों द्वारा अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर परेशान करते थे एवं जान से मारने की धमकी देते थे एवं उसके पति के रिस्तेदार मनीष द्वारा जबरजस्ती उसके साथ दुष्कर्म किया गया एवं उसका अश्लील फोटो खीचकर रिस्तेदारों भेज दिया गया है । डीपी एक्ट व 67ए आईटी एक्ट पंजीकृत किया गया था । उपरोक्त क्रम में सोमवार को थाना सराय अकिल पुलिस टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त मनीष कुमार पुत्र असफी लाल निवासी रक्सराई थाना सराय अकिल को करन चौराहा के पास से गिरफ्तार किया।

महिला से दुष्कर्म व अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने का आरोपी पुलिस मुठभेड़ में घायल

24 घंटे के भीतर गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। कोतवाली नगर पुलिस ने महिला से दुष्कर्म, अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने और सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देने के मामले में वांछित आरोपी को घटना दर्ज होने के 24 घंटे के भीतर पुलिस मुठभेड़ के दौरान घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से एक अवैध तमंचा 315 बोर, एक खोखा कारतूस और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया है।

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में चलाए जा रहे अपराधियों के खिलाफ अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार, 20 जुलाई 2026 को पीड़िता की मां ने कोतवाली नगर में तहरीर देकर आरोप लगाया कि अन्दौली निवासी ओवैश रजा पुत्र अनीस अहमद घर की छत पर पहुंचा और उसकी पुत्री के साथ जबरन दुष्कर्म किया। विरोध करने पर आरोपी ने पीड़िता के साथ मारपीट की, गला दबाकर जान से मारने का प्रयास किया तथा घटना की जानकारी किसी को देने पर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी। आरोप है कि आरोपी ने घटना का अश्लील वीडियो भी बना लिया और विवाह न करने पर उसे सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी।

इस मामले में कोतवाली नगर थाना में बीएनएस की विभिन्न धाराओं तथा आईटी एक्ट की धारा 67ए के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस के मुताबिक, घटना के बाद आरोपी की तलाश की जा रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि वह मदारीपुर कला की ओर जाने वाली लिंक रोड से भागने की फिराक में है। सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी की। पुलिस का दावा है कि घिरता देख आरोपी ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में आरोपी के बाएं पैर में गोली लग गई, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान ओवैश रजा (25 वर्ष) पुत्र अनीस, निवासी अन्दौली, थाना राधानगर, जनपद फतेहपुर के रूप में हुई है। उसके कब्जे से एक अवैध तमंचा 315 बोर, एक खोखा कारतूस और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट सहित अन्य धाराओं में एक और मुकदमा दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक हेमंत कुमार मिश्र, उपनिरीक्षक सत्यप्रकाश पाठक और उपनिरीक्षक पंकज सिंह सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

दहेज हत्या में महिला समेत तीन वांछित गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । पांच दिन पहले थाना कोखराज पर वादिनी कमलेश देवी पुत्र रमेशचन्द्र सरोज निवासी बरैसा थाना पश्चिम शरीरा जनपद कौशाम्बी द्वारा सूचना दी गयी कि अपनी बेटी की शादी वर्ष 2021 में ग्राम असवां थाना कोखराज निवासी लाल बहादुर पुत्र बहोरे पासी के साथ किया था ।, विवाह के बाद से ही उसके पति व अन्य परिजन अतरिक्त दहेज की मांग को लेकर उसे प्रताड़ित करते थे नहीं मिलने पर दिनांक 04.04.2026 को गला दबाकर उसकी हत्या कर दी ।

सोमवार थाना कोखराज पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुए मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित 3 वांछित अभियुक्तों देवपति पत्नी बहोरे लाल . लाल बहादुर पुत्र बहोरे लाल . बहोरे लाल पुत्र स्व0 भोला निवासीगण ग्राम मोहम्मदपुर असवां थाना कोखराज को असवां मोड़ के पास से गिरफ्तार किया गया ।

दुष्कर्म का वांछित अभियुक्त पकड़ा गया

कौशांबी। 7 जुलाई को थाना सराय अकिल पर वादी द्वारा सूचना दी गयी कि मेरी पुत्री की शादी फरवरी 2025 में ग्राम बेरई में किया था शादी के बाद से ही उसके ससुरालीजनों द्वारा अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर परेशान करते थे एवं जान से मारने की धमकी देते थे एवं उसके पति के रिस्तेदार मनीष द्वारा जबरजस्ती उसके साथ दुष्कर्म किया गया एवं उसका अश्लील फोटो खीचकर रिस्तेदारों भेज दिया गया है । डीपी एक्ट व 67ए आईटी एक्ट पंजीकृत किया गया था । उपरोक्त क्रम में सोमवार को थाना सराय अकिल पुलिस टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त मनीष कुमार पुत्र असफी लाल निवासी रक्सराई थाना सराय अकिल को करन चौराहा के पास से गिरफ्तार किया।

लूट का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, लूट का माल बरामद

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। 27 जून को थाना मंझनपुर पर वादी गणेश प्रसाद सोनी पुत्र स्व0 गोपीचन्द सोनी निवासी भड़ेसर थाना मंझनपुर जनपद कौशाम्बी द्वारा सूचना दी गयी कि आज शाम समय लगभग 7:15 बजे समदा चौराहा पर स्थित अपनी ज्वेलरी की दुकान बंद करके वह अपने घर वापस जा रहे थे।

तभी रास्ते में एक मोटरसाइकिल पर सवार 03 अज्ञात व्यक्तियों द्वारा इनका मोबाइल फोन तथा एक बैग (जिसमें रखी कुछ ज्वेलरी, रुपए एवं प्रपत्र) लूट लिये गए हैं । दिनांक 01.07.2026 की रात्रि में घटना से सम्बन्धित 02 अभियुक्तों को पुलिस मुठभेड में गिरफ्तार एवं दिनांक 04.07.2026 को 01 अभियुक्त को गिरफ्तार (कुल 03 अभियुक्त) कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा चुका है । घटना से सम्बन्धित अन्य अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण द्वारा गठित टीमों को निर्देशित किया गया ।

सोमवार को थाना मंझनपुर पुलिस टीम द्वारा मुखबिर खास की सटीक सूचना के आधार पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त अलहम उर्फ आलम अंसारी पुत्र शकील अहमद निवासी दीनदयाल नगर थाना मदेयगंज जनपद लखनऊ को कचहरी रोड़ नहर के पास से गिरफ्तार किया गया । अभियुक्त के कब्जे से 01 अदद तमंचा 315 बोर 01 अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर तथा लूट की घटना से सम्बन्धित 21690 /- रू0 नगद बरामद किया गया ।

कौशांबी: विशेष अभियान चलाकर 21 वारण्टी अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

स्वाती मिश्रा

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । एसपी सत्यनारायण के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये गये अभियान आपरेशन चक्रव्यूह के तहत जनपद के विभिन्न थानों की पुलिस टीम द्वारा वारण्टी अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु अभियान चलाकर कुल 21 अभियुक्तों को अगल-अलग स्थानों से गिरफ्तार किया गया ।

थाना संदीपनघाट अभियुक्त तारकेश्वर सिंह पुत्र जसवन्त सिंह निवासी ग्राम पथरहा थाना संदीपनघाट जनपद कौशाम्बी ।

थाना सैनी ने वारण्टी अभियुक्त - गाजीप्रसाद पुत्र सुखनन्दन निवासी ननमई व राजाराम पुत्र चन्द्रिका प्रसाद निवासी ग्राम गरई , नवतीलाल पुत्र ननकु निवासी रामपुर धमावां , कल्लू पुत्र ननकू निवासी सरैया मजरा रामपुर धमावां थाना सैनी,

थाना महेवाघाट वारण्टी अभियुक्त- शुभम सिंह पुत्र मानसिंह निवासी ग्राम अँधावा थाना महेवाघाट , आबकारी अधिनियम से सम्बन्धित अभियुक्त- संतलाल पुत्र हक्कल निवासी ग्राम डक शरीरा , रामसरन पुत्र मैकूलाल निवासी ग्राम अजरौली थाना महेवाघाट जनपद कौशाम्बी।

सिंचाई के इंजन चोरी में दो युवक गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। धाता थाने की पुलिस द्वारा क्षेत्र के ग्राम किशनपुर में हुई चोरी की घटनाओं का सफल अनावरण करते हुए चोरी की घटना में संलिप्त दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी किया गया सिंचाई का इंजन, एक पंखा तथा दो लोहे के दो प्लेट बरामद किया है। पुलिस ने बताया कि रामबाबू निवासी ग्राम किशनपुर थाना धाता जनपद फतेहपुर द्वारा थाने में सूचना दी गई कि 18 जुलाई को अपने खेत पटिया ग्राम किशनपुर में सिंचाई इंजन खेतों की सिचाई के लिए लगाया था, जब वादी पुनः अपने खेत पर पहुँचा तो खेत में लगा सिंचाई इंजन गायब मिला। सिंचाई इंजन खोजने के दौरान गांव के राजुल व रज्जू ने बताया कि उसका इंजन भी गायब है।तीनों लोग अपने इंजन नदी के किनारे खोज रहे थे तभी वहां मोबिल का तेल गिरा मिला। उसी आधार पर नाले के ऊपर मनोज सोनकर के घर गए तो तीनों व्यक्तियों के सिंचाई इंजनों के पार्ट्स मनोज के घर के अंदर तथा बाहर मौजूद मिले। पता चला कि आकाश सोनकर निवासी ग्राम मवई थाना महेवाघाट जिला कौशांबी अपने तीन चार साथियों के साथ मिलकर हम तीनों के सिंचाई का इंजन चोरी किया है। उन तीनों भुक्तभोगियों के द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर थाना धाता में अभियोग पंजीकृत किया गया। सोमवार को गिरफ्तारी के बाद अभियुक्तों के कब्जे से चोरी किया गया एक सिंचाई इंजन, एक पंखा तथा लोहे के दो अदद प्लेट बरामद किये गये।

अंतरजनपदीय चोर गिरोह का भंडाफोड़, आठ आरोपी गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

बुलंदशहर। बीबीनगर थाना पुलिस ने अंतरजनपदीय चोरी करने वाले एक शातिर गिरोह का पदार्फाश करते हुए आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से मंदिरों, ट्यूबवेल, दुकानों और मकानों से चोरी किया गया लाखों रुपये का सामान, नकदी, अवैध हथियार तथा वारदात में प्रयुक्त एक स्कूटी और कार बरामद की है।

पुलिस के अनुसार अपराध नियंत्रण अभियान के तहत मुखबिर की सूचना पर ग्राम सैदपुर-मड़ौना रोड से गिरोह के आठ सदस्यों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों की पहचान सलमान, हाशिम, शाहिल, फरदीन (सभी निवासी सैदपुर, थाना बीबीनगर), अनस, अय्यान, फिरोज और इनाम (सभी निवासी वेब सिटी क्षेत्र, गाजियाबाद) के रूप में हुई है। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से मंदिर से चोरी किए गए दो पीतल के घंटे, दो पीतल के शेर, दो पीतल के मोर, एक डीवीआर, एक वाई-फाई पैनल, दो स्टार्टर, दो केबल, तांबे के तार, 10,850 रुपये नकद, घटना में प्रयुक्त एक स्कूटी व एक कार, एक अवैध तमंचा, एक जिंदा कारतूस तथा दो अवैध चाकू बरामद किए गए हैं।

पूछताछ में आरोपियों ने बुलंदशहर, हापुड़ और गाजियाबाद जनपदों में मंदिरों, ट्यूबवेल, दुकानों और मकानों में चोरी की कई वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया है। पुलिस के अनुसार गिरोह पहले स्कूटी से आबादी वाले क्षेत्रों की रेकी करता था और चोरी के बाद सामान कार में रखकर कबाड़ियों को बेच देता था।

पुलिस ने बताया कि गिरोह ने हाल के महीनों में थाना बीबीनगर, सिकंद्राबाद, अगौता, बाबूगढ़ (हापुड़) तथा मधुबन बापूधाम (गाजियाबाद) क्षेत्रों में दर्ज कई चोरी की घटनाओं में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। आरोपियों के खिलाफ विभिन्न थानों में पहले से भी कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। बीबीनगर थाना पुलिस ने सभी आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है।

रेरुआ में वज्रपात का कहर: दो की मौत, आधा दर्जन झुलसे, गांव में पसरा मातम

सबसे तेज प्रयागराज

लालगोपालगंज, प्रयागराज। नवाबगंज थाना क्षेत्र के रघुवंशपुर उर्फ रेरुआ गांव में सोमवार को हुई तेज बारिश के दौरान आसमान से गिरी बिजली ने बड़ा हादसा कर दिया। अमरूद की बाग में मौजूद लोगों पर अचानक वज्रपात होने से दो व्यक्तियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि आधा दर्जन लोग झुलसकर घायल हो गए। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। मृतकों की पहचान रघुवंशपुर उर्फ रेरुआ निवासी संजीत कुमार (48) पुत्र रामलोचन तथा बेरहना सम्हई निवासी नागेश कुमार (40) पुत्र शंभू के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि बारिश के दौरान कई लोग अमरूद की बाग में एकत्र थे। तभी तेज गर्जना के साथ अचानक बिजली गिर गई और वहां मौजूद लोग उसकी चपेट में आ गए।

हादसे में सोनू पुत्र सुरेश, अजय कुमार पुत्र धर्मदास, अंजय पुत्र मगन्नू, राजकुमार पुत्र सूरज सभी निवासी रेरुआ तथा खुन्नू मिश्र निवासी बैरहना सम्हई समेत करीब आधा दर्जन लोग घायल हो गए। स्थानीय ग्रामीणों ने तत्काल राहत कार्य करते हुए घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया।

सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए तथा घटना की जांच और आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। वज्रपात की इस दर्दनाक घटना से मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे क्षेत्र में गहरा शोक व्याप्त है।

मिशन-2027 की रणभेरी: 22 जुलाई को 62 विधानसभा क्षेत्रों में जुटेंगे बूथ अध्यक्ष

गोरखपुर। भारतीय जनता पार्टी ने आगामी विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों को संगठनात्मक स्तर पर गति देते हुए 22 जुलाई को गोरखपुर क्षेत्र की सभी 62 विधानसभा क्षेत्रों में एक साथ बूथ अध्यक्ष सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय लिया है। भाजपा गोरखपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष विनोद राय ने इसे "मिशन-2027 की औपचारिक शुरूआत" बताते हुए कहा कि बूथ स्तर का संगठन ही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है और इसी शक्ति के बल पर पार्टी आगामी चुनाव में ऐतिहासिक सफलता का लक्ष्य हासिल करेगी।

रानीडीहा स्थित भाजपा क्षेत्रीय कार्यालय में आयोजित तैयारी बैठक को संबोधित करते हुए विनोद राय ने बताया कि गोरखपुर सदर विधानसभा क्षेत्र के बूथ अध्यक्ष सम्मेलन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं उपस्थित होकर बूथ अध्यक्षों को चुनावी मंत्र देंगे तथा मिशन-2027 के लिए संगठनात्मक दिशा-निर्देश प्रदान करेंगे।

उन्होंने कहा कि पार्टी अब पूरी तरह चुनावी मोड में आ चुकी है और विधानसभा वार बूथ अध्यक्ष सम्मेलन इसी अभियान की पहली महत्वपूर्ण कड़ी है। बूथ अध्यक्ष संगठन की रीढ़ हैं और चुनाव में उनकी भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। इसी उद्देश्य से सभी बूथ अध्यक्षों को संगठन की रणनीति, जनसंपर्क अभियान और चुनावी जिम्मेदारियों से अवगत कराया जाएगा।

24,844 बूथ अध्यक्ष होंगे शामिल

विनोद राय ने बताया कि गोरखपुर क्षेत्र में भाजपा के कुल 24,844 संगठनात्मक बूथ हैं और प्रत्येक बूथ का अध्यक्ष अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र में आयोजित सम्मेलन में भाग लेगा। इसके अलावा 4,244 शक्ति केंद्र प्रमुख तथा 286 मंडल अध्यक्ष भी सम्मेलनों में उपस्थित रहेंगे।

लाठी चार्ज से आक्रोशित युवाओं नें निकाली रैली

सबसे तेज प्रयागराज बहरिया। दिल्ली के जंतर मंतर पर चल रहे अनशन पर बैठे सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुंग को दिल्ली पुलिस द्वारा जबरन धरना स्थल से उठाए जानें के बाद सोमवार को बड़ी संख्या में युवा दिल्ली संसद भवन को कूच के लिए पहुंचे थे जहां पर दिल्ली पुलिस नें लाठी चार्ज कर छात्रों को लाठी डंडे से पीटा इसकी सूचना के बाद छात्र आक्रोशित हो गए और कमलानगर चौराहे के तिराहे पर एकत्र होकर सरकार के विरुद्ध नारे लगाये और रैली निकाली। रैली में एकत्र युवाओं नें कहा कि हम लोगों नें शिक्षा संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों के समर्थन में अपनी सहभागिता दर्ज कराई है विश्वास है कि जब बात देश के भविष्य, बच्चों की शिक्षा और न्याय की हो, तब हर जागरूक नागरिक का आगे आना जरूरी है। युवा एकजुट होकर लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से अपनी आवाज बुलंद करें। क्योंकि मजबूत शिक्षा व्यवस्था और संविधान का सम्मान ही मजबूत भारत की पहचान है।,मोदी सरकार की तानाशाही नहीं चलेगी!

"धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो!" आदि नारों के साथ दर्जनों की संख्या में युवाओं नें रैली निकाल कर दिल्ली पर चल रहे युवाओं के धरना प्रदर्शन के समर्थन किया और पुलिस द्वारा लाठी चार्ज करके युवाओं को पीटनें का विरोध किया।

विधायक ने मनाया भाजपा कार्यकर्ता का जन्मदिन

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। विधायक फूलपुर दीपक पटेल ने अपने आवास पर भाजपा कार्यकर्ता विनय तिवारी का केक काटकर जन्मदिन मनाया उन्होंने कहा कि भाजपा का एक एक कार्यकता मेरे लिए मेरे परिवार की तरह है मै उसके हर दुख और सुख में उसके साथ खड़ा हूं विधायक ने विनय तिवारी को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर मुख्य रूप लक्ष्मीकांत मिश्रा काका विनय तिवारी भूपेन्द्र पांडेय विधायक मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी आदि मौजूद रहें।

महिला वॉलीबॉल में प्रयागराज बना चैंपियन, पुरुष वर्ग में प्रयागराज-फतेहपुर संयुक्त विजेता

सबसे तेज प्रयागराज प्रयागराज। रिजर्व पुलिस लाइन्स में तीन दिवसीय 74वीं अंतर जनपदीय वॉलीबॉल क्लस्टर (महिला/पुरुष) प्रतियोगिता का सोमवार को समापन हो गया। महिला वर्ग के फाइनल में कमिश्नरेट प्रयागराज ने प्रतापगढ़ को हराकर खिताब अपने नाम किया, जबकि पुरुष वर्ग का फाइनल मुकाबला अत्यधिक बारिश के कारण नहीं हो सका। इसके चलते कमिश्नरेट प्रयागराज और फतेहपुर को संयुक्त रूप से विजेता घोषित किया गया।

प्रतियोगिता में कमिश्नरेट प्रयागराज, प्रतापगढ़, कौशाम्बी, फतेहपुर, बांदा, महोबा और चित्रकूट की सात टीमों के कुल 90 महिला एवं पुरुष खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। समापन समारोह में पुलिस उपायुक्त लाइन्स नीरज पाण्डेय ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रतिसार निरीक्षक प्रथम विनोद कुमार सिंह, प्रतिसार निरीक्षक द्वितीय प्रवीण कुमार सिंह सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

लापता बालक को जीआरपी ने आधे घंटे में किया बरामद

सबसे तेज प्रयागराज प्रयागराज। जीआरपी प्रयागराज ने लापता नौ वर्षीय बालक को आधे घंटे में आपरेशन मुस्कान के तहत सकुशल बरामद कर राजकीय बालगृह के सुपुर्द किया है। नवलेश कुमार प्रजापति राजकीय बाल गृह थाना शाहगंज ने सोमवार को थाना जीआरपी प्रयागराज को बताया कि राजकीय बाल गृह से स्कूल शाहगंज कम्पोजीट विद्यालय शाहगंज गए नौ वर्षीय बालक ओम प्रजापति पुत्र रामप्यारे प्रजापति निवासी राजकीय बाल गृह थाना शाहगंज स्कूल से बिना बताए कहीं चला गया है। तहरीर मिलने के बाद वरिष्ठ उप निरीक्षक राजकुमार चौहान व क्यूआरटी टीम को दिशा निर्देश देते हुए बालक की सकुशल बरामदगी हेतु टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा गुमशुदा बालक की खोज सीसीटीवी कैमरों की मदद से रेलवे स्टेशन प्रयागराज जंक्शन के प्लेटफार्म नं0 9/10 से मात्र 30 मिनट में सकुशल बरामद कर थाना हाजा लाकर बालक को राजकीय बाल गृह के कर्मचारी नवलेश कुमार प्रजापति को सुपुर्द किया गया।

जीआरपी ने मोबाइल चोर गिरफ्तार किया

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। जीआरपी थाना प्रयागराज द्वारा रेलवे स्टेशन प्रयागराज जंक्शन प्लेटफार्म नंबर एक दिल्ली इण्ड स्थित चबूतरे के पास से शातिर चोर मुसम्मी दिलीप कुमार निवासी धरौली बडागाँव थाना घोसी जनपद मऊ को गिरफ्तार कर कब्जे से चोरी की एक अदद मोबाइल बरामद किया गया।

झमाझम बारिश से मौसम हुआ सुहाना, धान की रोपाई ने पकड़ी रफ्तार

गर्मी और उमस से मिली राहत, खेतों में लौटे किसान, बारिश से कृषि कार्यों को मिला बल

सबसे तेज प्रयागराज

लालगोपालगंज, प्रयागराज। सोमवार को क्षेत्र में हुई झमाझम बारिश ने लोगों को भीषण गर्मी और उमस से बड़ी राहत दिलाई। सुबह से आसमान में छाए बादलों के बीच दोपहर बाद शुरू हुई तेज बारिश से मौसम पूरी तरह बदल गया। बारिश के चलते तापमान में गिरावट आई और वातावरण खुशनुमा हो गया। कई दिनों से गर्मी से बेहाल लोगों ने राहत की सांस ली। बारिश का सबसे अधिक लाभ किसानों को मिला। पर्याप्त वर्षा होने से धान की रोपाई ने रफ्तार पकड़ ली है। किसान अपने परिवार और मजदूरों के साथ खेतों में उतरकर रोपाई कार्य में जुट गए हैं। जिन खेतों में पानी की कमी के कारण रोपाई प्रभावित हो रही थी, वहां अब तेजी से काम शुरू हो गया है। किसानों का कहना है कि यदि आने वाले दिनों में भी इसी तरह समय-समय पर बारिश होती रही तो धान की फसल के लिए यह बेहद लाभदायक साबित होगी।

हालांकि, लगातार हुई बारिश से कुछ निचले इलाकों और सड़कों पर जलभराव की स्थिति भी देखने को मिली, जिससे राहगीरों को कुछ समय के लिए परेशानी का सामना करना पड़ा।

डीएम की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड एवं विकास कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

मुख्यमंत्री डैशबोर्ड में जून माह में 24वीं रैंक होने पर सभी अधिकारियों को रैंकिंग में और सुधार लाये जाने के दिए निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज प्रयागराज। डीएम मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में सोमवार को संगम सभागार में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड एवं विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। जिलाधिकारी ने सीएम डैशबोर्ड पर जनपद की विकास रैंकिंग में मई माह (47वीं) के बाद जून माह में (24वीं) स्थान पर होने तथा रैंकिंग में सुधार होने पर संतोष व्यक्त किया तथा सभी अधिकारियों को अपने-अपने विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए रैंकिंग में और सुधार लाये जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने सभी सम्बंधित अधिकारियों को आंकड़ों की फीडिंग का कार्य समय से कराये जाने के निर्देश दिए है।

बैठक में जिलाधिकारी ने बैठक से अनुपस्थित रहने वाले सभी अधिकारियों का एक दिन का वेतन रोके जाने तथा बैठक से अनुपस्थित रहने का स्पष्टीकरण लिए जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने पंजायतीराज विभाग के 15वें वित्त आयोग व 5वें वित्त आयोग में बी श्रेणी होने पर नाराजगी व्यक्त की तथा जिला पंचायतराज अधिकारी से सम्बंधित सचिवों को स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था यूपीसिडको से सम्बंधित तीनों कार्यों में धीमी प्रगति होने तथा टाइमलाइन के अनुसार प्रगति न होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की तथा अधिशासी अभियंता को कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिए है। उन्होंने पीडब्लूडी के कार्यों की समीक्षा करते हुए जिन कार्यों की प्रगति कम है, सभी को समयसीमा मे पूर्ण कराये जाने तथा धीमी प्रगति वाले सभी कार्यों में सम्बंधित को कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिए है।

जिलाधिकारी ने सभी कार्यदायी संस्थाओं को सम्बंधित कार्यों में तेजी लाये जाने तथा अवमुक्त धनराशि का व्यय करते हुए निर्धारित समयसीमा में कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देते हुए पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि यदि कोई भी कार्य समयसीमा के उपरांत लम्बित पाया जायेगा, तो सम्बंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जायेगी। उन्होंने मेडिकल कालेज से सम्बंधित सभी प्रोजेक्टों को प्राथमिकता पर जल्द से जल्द गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने यूपीपीसीएल, राजकीय निर्माण निगम, यूपीआरएनएसएस, यूपीसिडको, सीएनडीएस सहित अन्य कार्यदायी संस्थाओं के कार्यों की समीक्षा करते हुए समयसीमा के उपरांत भी पूर्ण नहीं होने वाली परियोजनाओं में सम्बंधित को कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिए है। उन्होंने सभी कार्यदायी संस्थाओं को रिसोर्स बढ़ाते हुए युद्धस्तर पर कार्य करने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि कार्य में अनावश्यक देरी होने पर सम्बंधित की जिम्मेदारी तय की जायेगी।

बैठक में जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी से जननी सुरक्षा योजना में भुगतान की कार्यवाही को शीघ्रता से पूर्ण कराये जाने सुनिश्चित करने तथा एचपीवी वैक्सीनेशन की प्रगति में तेजी लाए जाने के निर्देश दिए है।

जिलाधिकारी ने जिन विभागों के मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर बी, सी व डी रैंकिंग है, ऐसे विभागों के सम्बंधित अधिकारियों को खराब रैंकिंग होने का स्पष्टीकरण एवं रैंकिंग में सुधार लाये जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों से कहा कि अपने-अपने विभाग की सभी योजनाओं की नियमित समीक्षा करें तथा जिन कार्यों में उनके स्तर से कार्यवाही अपेक्षित है, उनकी समीक्षा कराये जाने के निर्देश दिए है।

कुत्तोंको बिस्कुट खिलानेपर विवाद, मारपीट

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। शिवकुटी थाना क्षेत्र के गोविंदपुर में आवारा कुत्तों को बिस्कुट खिलाने को लेकर शुरू हुआ विवाद मारपीट तक पहुंच गया। पीड़ित ने महिला, उसके बेटे और अन्य लोगों पर लोहे की रॉड से हमला करने, घर में घुसकर परिवार की महिलाओं से मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच कर रही है। चिल्ला गोविंदपुर निवासी शिवराम उर्फ पप्पू मिस्त्री ने पुलिस को बताया कि १८ जुलाई को गोविंदपुर में वह रोज की तरह आवारा कुत्तों को बिस्कुट खिला रहे थे।

आरोप है कि इसी दौरान गीता देवी वहां पहुंचीं और कुत्तों को खाना खिलाने का विरोध करते हुए गाली-गलौज करने लगीं। विरोध करने पर उन्होंने शिवराम को थप्पड़ मार दिए। आरोप है कि कुछ देर बाद गीता देवी का बेटा गुड्डू लोहे की राड लेकर पहुंच गया और जानलेवा हमला कर दिया। घटना के बाद उसने डायल-११२ और शिवकुटी पुलिस को सूचना दी। आरोप है कि इसके बाद आरोपी पक्ष अपने साथ कुछ अन्य लोगों को लेकर पीड़ित के घर पहुंच गया। वहां छोटे भाई की पत्नी को घर से बाहर खींचकर मारपीट की गई, शिकायत करने पर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई। शिवकुटी पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

डीएम ने जनता दर्शन के समय अनुपस्थित अधिकारियों पर की सख्ती, एक दिन का वेतन रोकने के दिए निर्देश

कलेक्ट्रेट के 25 कर्मचारी मिले अनुपस्थित, जिलाधिकारी ने जतायी कड़ी नाराजगी

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के द्वारा जनता दर्शन में लोगो की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान हेतु अपर जिलाधिकारी, अपर नगर मजिस्ट्रेट, विकास विभाग, कृषि विभाग, पुलिस विभाग, नगर निगम, विद्युत, स्वास्थ्य, आपूर्ति एवं अन्य विभागों के अधिकारियों को उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए है। सोमवार को जनता दर्शन में जिला विकास अधिकारी, नगर निगम नोडल, मुख्य चिकित्साधिकारी नोडल व जिला आपूर्ति विभाग नोडल के अनुपस्थित रहने पर जिलाधिकारी के द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त की गयी तथा सभी सम्बंधित अधिकारियों का एक दिन का वेतन रोके जाने तथा अनुपस्थित रहने का स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया है कि भविष्य में जनता दर्शन में निर्धारित समय पर अनिवार्य रूप से उपस्थित रहे तथा उनके विभाग से सम्बंधित प्राप्त होने वाली शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई व्यवस्था को प्रभावी एवं जनोन्मुख बनाये रखने के लिए नियमित निगरानी की जायेगी तथा लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरूद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के द्वारा सोमवार को प्रातः 10:30 बजे कार्यालय का औचक निरीक्षण कर उपस्थिति पंजिका का अवलोकन किया गया। उपस्थिति पंजिका के अवलोकन में कलेक्ट्रेट के 25 कर्मचारी अनुपस्थित पाये गये, जिसपर जिलाधिकारी के द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त की गयी। उन्होंने सभी अनुपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों का एक दिन का वेतन रोके जाने तथा अनुपस्थित रहने का स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कार्यालयों में समयबद्ध उपस्थित एवं अनुशासन का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाये तथा बिना अनुमति अनुपस्थित रहने वाले कर्मचारियों के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाये। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को समय से कार्यालय पहुंचकर अपने दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए है। साथ ही कहा कि जनसामान्य से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता स्वीकार्य नहीं की जायेगी। उन्होंने कार्यालयों में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं कार्यकुशलता बनाये रखने के लिए अपर जिलाधिकारियों को समय-समय पर औचक निरीक्षण करने के निर्देश दिए है।

जंतर-मंतर पर गूंजा जस्टिस फॉर श्रुति साहू का नारा

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में नीट पेपर लीक सहित अन्य परीक्षाओं के पेपर लीक को लेकर राजधानी के जंतर-मंतर में सीजीपी के बैनर तले चल रहे जेन जी के अनशन को एक माह पूरा हो गया है। आंदोलनकारी केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे सहित विभिन्न मांगों को लेकर लगातार धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं।

इसी के चलते सोमवार को जंतर मंतर से संसद तक प्रस्तावित मार्च के दौरान हजारों की तादाद में प्रदर्शनकारी संसद की ओर बढ़े। इस दौरान दिल्ली पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने से रोकने का प्रयास किया। प्रदर्शन के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की और तीखी झडप भी हुई तथा कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिए जाने की सूचना है। आंदोलन में हमीरपुर जनपद के मौदहा क्षेत्र के कम्हरिया गांव निवासी युवा नेता अब्दुल सत्तार गौस पिछले 15 दिनों से जंतर-मंतर पर मौजूद रहकर आंदोलन का समर्थन कर रहे हैं। प्रदर्शन के दौरान उन्होंने हमीरपुर के राठ क्षेत्र की श्रुति साहू के लिए जस्टिस फॉर श्रुति साहू लिखी तख्ती हाथ में लेकर न्याय की मांग उठाई। यह जानकारी युवा नेता अब्दुल सत्तार गौस ने दी।

गौरतलब है कि राठ निवासी श्रुति साहू ने कथित तौर पर नीट परीक्षा में अपेक्षा के अनुरूप अंक न आने के बाद विषाक्त पदार्थ (जहर) खाकर कर आत्महत्या कर ली थी। इस घटना को लेकर जंतर-मंतर पर उठाई गई न्याय की मांग आंदोलनकारियों के बीच चर्चा का विषय बनी रही।

उधर हमीरपुर जिले के राठ कस्बे में भी नीट पेपर लीक के विरोध को लेकर युवाओं ने नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। सोमवार की दोपहर बाद दर्जनों की तादाद में छात्र छात्राओं ने सागर तालाब के पास स्थित शहीद पार्क पहुंच कर बिगड़ती शिक्षा व्यवस्था पर जमकर नारेबाजी की। इस दौरान युवाओं ने विरोध प्रदर्शन करते हुए नीट परीक्षा में हुई धांधली की निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की। युवाओं ने कहा कि बार बार होने वाली पेपर लीक की घटनाओं से लाखों युवाओं को भविष्य दांव पर लग गया है।

सपा के दिग्गज नेता बाबू जवाहर सिंह की 101वीं जयंती सपाइयों ने संकल्प दिवस के रूप मनाया

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। समाजवादी नेता, एवं कई बार विधायक व विधान परिषद सदस्य रहे जवाहर सिंह यादव की 101वीं जयंती सोमवार को सपाइयों ने संकल्प दिवस के रूप में मनाया। शहर स्थित पार्टी के जिला कार्यालय जार्ज टाउन में बड़ी संख्या में जुटे सपा कार्यकर्ता एवं नेताओं ने पूरी शिद्दत के साथ जवाहर सिंह यादव को याद करते हुए उनके राजनीतिक व्यक्तित्व एवं कृतित्व की चर्चा की गई। कहा गया कि पार्टी के आजीवन जिलाध्यक्ष रहे जवाहर सिंह यादव जरूरतमंदों की लड़ाई हमेशा लड़ते रहे। उपस्थित नेताओं, पदाधिकारियों ने कार्यालय में स्थित उनकी प्रतिमा पर फूल माला अर्पित कर उन्हें नमन किया। इसके बाद हुई गोष्ठी में जवाहर सिंह यादव के जीवन वृत्त, समाजवादी पार्टी की स्थापना काल से आजीवन उनके पार्टी के प्रति योगदान पर विस्तार से चर्चा की गई।

इस मौके पर जिलाध्यक्ष अनिल यादव, पूर्व सांसद धर्मराज पटेल, विधायक विजमा यादव, जगदीश यादव, रामअवध पाल, राममिलन यादव, महेन्द्र निषाद, अजय यादव, वजीर खान, आशुतोष तिवारी, अजय सम्राट, नाटे चौधरी, संजू यादव, जय शंकर भारतीय,मकबूल हाशमी, संतोष यादव, आरती पाल, मो अरशद समेत अन्य कई प्रमुख लोग मौजूद रहे।

खरीफ फसलों में नैनो उर्वरकों के उपयोग आधारित एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

इफको फूलपुर कॉर्डेड में किसानों को दिया गया प्रशिक्षण

मौजी लाल रावत

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। इफको के नैनो उर्वरक भारतीय कृषि के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इनके प्रयोग से सस्ती एवं टिकाऊ खेती करने में सफलता प्राप्त की जा सकती है। उक्त बातें सोमवार को इफको कॉर्डेड के प्रधानाचार्य डॉ.विवेक दीक्षित, मोतीलाल नेहरू फार्मरस ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट कॉर्डेट इफको फूलपुर ने बतौर मुख्य अतिथि किसानों के बीच कही। ग्राम सेफ खानपुर वि.खं. फूलपुर के कृषकों हेतु एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान कहीं । उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए बताया कि इफको के नैनो उर्वरक जो कृषि क्षेत्र में सकारात्मक क्रांतिकारी परिवर्तन ला रहे हैं इसका उपयोग किसानों को जरूर करना चाहिए । प्रधानाचार्य ने उपस्थित कृषक प्रतिभागियों को कार्डेट एवं इफको के क्रियाकलाप से परिचित कराया तथा धान की फसल में नैनो यूरिया प्लस, नैनो कॉपर, नैनो जिंक, एवं नैनो डीएपी के प्रयोग की विस्तार से जानकारी दी। नैनो उर्वरकों के प्रयोग से कृषि लागत में कमी आएगी साथ ही यूरिया एवं डीएपी

के अत्यधिक प्रयोग से जल, मृदा एवं पर्यावरण को होने वाले नुकसान से भी अवगत कराया तथा फसलों में नैनो डीएपी से बीज/जड़/कंद/सेट शोधित कर बुवाई/रोपाई करने की सलाह दी। दानेदार डीएपी की मात्रा आधी प्रयोग करें नैनो डीएपी 500 मिलीलीटर की बोतल से 100 किलोग्राम बीज को शोधित कर सकते हैं जो मात्र ?600 की है जो कि दानेदार डीएपी से काफी सस्ता है नैनो डीएपी के प्रयोग से लागत में कमी आएगी साथ ही उत्पादन एवं उत्पाद की गुणवत्ता भी बढ़ती है तथा नैनो यूरिया फसल की पत्तियों पर @4'' प्रति लीटर पानी से घोल बनाकर स्प्रे करें।

इसी क्रम में संस्थान की वरिष्ठ अधिकारी श्रीमती सविता शुक्ला ने फल संरक्षण एवं खाद्य प्रसंस्करण से संबंधित जानकारी प्रदान करते हुए बताया कि विभिन्न प्रकार के अचार मुरब्बा और जूस बनाकर के हम अतिरिक्त आय अर्जित कर सकते हैं ।

समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम प्रभारी राजेश कुमार सिंह ने खेती में जैव उर्वरकों एवं जैव अप घटकों के प्रयोग की जानकारी दी। प्रभारी प्रशिक्षण मुकेश तिवारी ने कार्यक्रम का संचालन किया एवं स्वस्थ व टिकाऊ खेती के लिए मृदा परीक्षण के महत्व को बताया। कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागियों को कारडेट की विभिन्न इकाइयों का भ्रमण भी कराया गया। कार्यक्रम में चंद्रकाली देवी , मीना कुमारी, शकुंतला, मालती , लाखन सिंह, जय सिंह , हरिश्चंद्र, अभय प्रताप सहित कॉर्डेट फूलपुर के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

संपादकीय

यूपी में शिक्षकों को साधने में जुटी योगी सरकार

गांव की पगडंडियों से लेकर कस्बों की गलियों तक, उत्तर प्रदेश में ह्यमास्टर साहबह्न का रुतबा किसी नेता से कम नहीं होता। बच्चों को पहाड़े रटाने वाला यही शिक्षक चुनाव के मौसम में पूरे मोहल्ले की राय बदलने की ताकत रखता है। यही वजह है कि पिछले तीन महीनों में योगी आदित्यनाथ सरकार ने शिक्षकों, शिक्षामित्रों और अनुदेशकों के लिए घोषणाओं की मानो झड़ी ही लगा दी है। कैशलेस इलाज से लेकर करोड़ों के दुर्घटना बीमा तक, हर फैसला सीधे इस बड़े वोट-बैंक को साधने की कोशिश जैसा दिख रहा है।पहले जरा आंकड़ों की जमीन पर खड़े होकर समझें कि यह तबका है कितना बड़ा। अकेले बेसिक शिक्षा परिषद के अंतर्गत ही करीब पांच से छह लाख नियमित शिक्षक काम कर रहे हैं। इनके साथ डेढ़ लाख के आसपास शिक्षामित्र और लगभग पच्चीस हजार अंशकालिक अनुदेशक भी इसी तंत्र का हिस्सा हैं। इसके अलावा राजकीय और सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षकों और स्टाफ की संख्या दो से ढाई लाख के बीच बैठती है। जब इनमें रिटायर हो चुके शिक्षक और इन सबके परिवार जोड़ दिए जाएं, तो यह संख्या तीस से चालीस लाख वोटों तक पहुंच जाती है। सिर्फ संख्या ही नहीं, समाज में शिक्षक की जो साख होती है, वह इस असर को और बड़ा बना देती है। गांव का वोटर चुनाव के वक्त मास्टर साहब की बात को गंभीरता से लेता है, और चुनाव ड्यूटी से लेकर वोटर लिस्ट दुरुस्त करने तक का ज्यादातर काम भी इन्हीं के कंधों पर टिका होता है। शायद इसीलिए कोई भी सरकार इस तबके को नाराज करने का जोखिम नहीं उठाना चाहती।

अब बात करते हैं उन फैसलों की, जिन्होंने पिछले कुछ हफ्तों में सुर्खियां बटोरीं। जुलाई 2026 में मुख्यमंत्री ने वाराणसी की धरती से ह्यमुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजनाह्न की शुरूआत की। इस योजना के दायरे में करीब बारह से पंद्रह लाख शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशक और यहां तक कि स्कूलों में खाना बनाने वाली रसोइया बहनें भी आ गई हैं। हर परिवार को सालाना पांच लाख रुपये तक का इलाज मुफ्त मिलेगा, और इसका पूरा प्रीमियम खुद सरकार भरेगी। यह फैसला इसलिए भी अहम है क्योंकि लंबे समय से शिक्षक संगठन स्वास्थ्य सुरक्षा की मांग उठाते रहे हैं, खासकर कोविड के बाद जब अचानक इलाज का खर्च आम आदमी की जेब पर भारी पड़ने लगा था।इसी कड़ी में सरकार ने भारतीय स्टेट बैंक के साथ मिलकर एक बड़ा दुर्घटना बीमा कवर भी शुरू किया है। नियमित शिक्षकों के परिवार को अब किसी हादसे की सूरत में एक करोड़ रुपये तक मिल सकते हैं, जबकि संविदा पर काम कर रहे अनुदेशकों और शिक्षामित्रों को तीस से अस्सी लाख रुपये तक का कवर दिया गया है। यह उन तबकों के लिए बड़ी राहत है, जो अब तक किसी भी तरह की सामाजिक सुरक्षा से वंचित थे।अनुदेशकों की बात करें तो उनकी कहानी थोड़ी अलग है। फरवरी 2026 में सुप्रीम कोर्ट ने उनके बेहद कम मानदेय पर नाराजगी जताई थी, जिसके बाद मई में सरकार हरकत में आई और मासिक मानदेय नौ हजार से बढ़ाकर सीधे सत्रह हजार रुपये कर दिया। यह बढ़ोतरी एक अप्रैल 2026 से ही लागू मानी गई, यानी पीछे की तारीख से भी फायदा दिया गया। सालों से मामूली रकम में गुजारा कर रहे इन अनुदेशकों के लिए यह किसी बड़ी उम्मीद से कम नहीं था।

एक और मुद्दा जो लंबे समय से शिक्षकों को परेशान कर रहा था, वह था टीईटी यानी शिक्षक पात्रता परीक्षा। सुप्रीम कोर्ट ने आठवीं तक पढ़ाने वाले शिक्षकों के लिए यह परीक्षा पास करना अनिवार्य कर दिया था, जिससे बरसों से नौकरी कर रहे शिक्षकों में डर बैठ गया कि उन्हें नए और युवा अभ्यर्थियों से सीधी टक्कर लेनी पड़ेगी। इसे भांपते हुए जुलाई की शुरूआत में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इन-सर्विस शिक्षकों के लिए अलग से टीईटी कराई जाए, ताकि वे बिना किसी अतिरिक्त दबाव के अपनी पात्रता साबित कर सकें। साथ ही जुलाई की यूपीटीईटी परीक्षा में बैठने वाले कार्यरत शिक्षकों को विशेष अवकाश भी दिया गया। इसके अलावा शहरी इलाकों के स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी को देखते हुए दस हजार से ज्यादा नए पदों पर भर्ती का खाका भी नवगठित उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग को भेजा जा चुका है।लेकिन सिक्के का दूसरा पहलू भी उतना ही असरदार है। पुरानी पेंशन योजना यानी ओपीएस की मांग सालों से शिक्षक संगठनों की सबसे बड़ी मांग बनी हुई है, और सरकार अब तक इसे वित्तीय बोझ बताकर टालती रही है। चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आते हैं, विपक्ष इस मुद्दे को हवा देने से नहीं चूकता। दूसरी बड़ी टीस शिक्षामित्रों की है। साल 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने सवा लाख से ज्यादा शिक्षामित्रों का सहायक शिक्षक पद पर समायोजन रद्द कर दिया था, और तब से यह मामला जस का तस अटका पड़ा है। मानदेय में मामूली सुधार तो हुए हैं, पर ह्यसमान काम समान वेतनह्न और पूर्ण नियमितीकरण की मांग आज भी अधूरी है, और यह गुस्सा वक्त-वक्त पर सड़कों पर आंदोलन की शक्ल ले लेता है।

इसी साल जून-जुलाई में लागू हुई त्रि-स्तरीय तबादला और समायोजन नीति ने भी शिक्षकों को उलझन में डाल दिया। इसके अलावा स्कूलों में अनिवार्य की गई डिजिटल हाजिरी को लेकर भी प्रदेशभर में तीखा विरोध देखने को मिला। शिक्षकों का कहना है कि दूर-दराज के गांवों में जहां नेटवर्क ठीक से पकड़ता ही नहीं, वहां रोज ऑनलाइन हाजिरी लगाना व्यावहारिक तौर पर मुश्किल है। कुल मिलाकर देखा जाए तो कैशलेस इलाज, मोटा दुर्घटना बीमा और अनुदेशकों के मानदेय जैसी सौगातें सरकार के प्रति शिक्षकों की नाराजगी को काफी हद तक कम करने वाली साबित हो सकती हैं। अलग टीईटी का वादा भी इस तबके में राहत का माहौल बना गया है। पर पुरानी पेंशन और शिक्षामित्रों के नियमितीकरण जैसे बुनियादी सवाल अब भी जवाब मांग रहे हैं। आने वाले समय में यही देखना दिलचस्प होगा कि क्या ये तमाम मरहम शिक्षकों के पुराने जख्मों को पूरी तरह भर पाते हैं, या फिर चुनाव नजदीक आते ही यह असंतोष एक बार फिर सतह पर आ जाता है।

संघ की शताब्दी यात्रा : संघ की जीवंत परम्परा की सूरत सत्य के आईने में

ललित गर्ग

सृजन में शोर नहीं होता। साधना के जुबान नहीं होती। किंतु सिद्धि में वह शक्ति होती है कि हजारों पर्वतों को तोड़कर भी उजागर हो उठती है। यह कथन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर अक्षरशः सत्य सिद्ध होता है। संघ अपने स्थापना के सौवें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। वर्ष 1925 में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा बोया गया एक छोटा-सा संगठनात्मक बीज आज भारतीय समाज के सबसे व्यापक स्वयंसेवी संगठनों में विकसित हो चुका है। इन सौ वर्षों में संघ ने अनेक उतार-चढ़ाव देखे-स्वतंत्रता आंदोलन का दौर, देश का विभाजन, प्रतिबंध, आपातकाल, सामाजिक परिवर्तन, वैश्वीकरण, कोरोना महामारी और विकसित भारत की नई आकांक्षाएं। इन सभी चरणों में संघ ने स्वयं को केवल एक संगठन के रूप में नहीं, बल्कि सेवा, संस्कार, संगठन और राष्ट्रचेतना के माध्यम के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया है। यही कारण है कि संघ की शताब्दी केवल किसी संगठन की यात्रा का उत्सव नहीं, बल्कि इस सार्थक एवं राष्ट्र-निर्माण की विचार-यात्रा का मूल्यांकन भी है। इसी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में प्रकाशित आरएसएस एट 100: एक सदी संकल्प की अत्यंत महत्त्वपूर्ण पुस्तक बनकर सामने आती है। प्रभात प्रकाशन से प्रकाशित इस कृति के लेखक श्याम जाजू और अनुपम त्रिवेदी हैं। लेखक द्वय की इस पुस्तक में संघ के अतीत एवं भविष्य की विवेचना करते हुए भारत एवं नया भारत निर्मित करने में उसकी भूमिका को उजागर किया है और उसके इतिहास में सच्चाई के प्रतिबिम्बों को उभारने पर बल दिया है। संघ के इतिहास को धूमिल किया गया, धुंधलाया गया है, अन्यथा संघ का इतिहास दुनिया के लिये एक प्रेरणा

है, अनुकरणीय है। क्योंकि संघ एक ऐसा शांति-अहिंसामय संगठन है, जो हर मोड पर निरंतरता लिये हुए सृजनात्मक बना रहा है। इसी निरंतरता में संघ की पहली शताब्दी का महत्व निहित है और शायद अगली शताब्दी के संकल्पों की दिशा भी।

सम्पूर्ण दुनिया भारत की ओर देख रही है, उसमें विश्व गुरु की पात्रता निरन्तर प्रवहमान रही है, हमने कोरोना महामारी के एक जटिल एवं संघर्षमय दौर में दुनिया के सभी देशों के हित-चिन्तन का भाव रखा, सबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वास मंत्र के द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साबित किया कि वसुधैव कुटुम्बकम-दुनिया एक परिवार है, का भारतीय दर्शन ही मानवता का उजला भविष्य है। इसी विचार पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आगे बढ़ रहा है, वह एक अनोखा और दुनिया का सबसे बड़ा गैर राजनीतिक संगठन है। यह भारतीय राष्ट्रवाद की सबसे मुखर, सबसे प्रखर आवाज है। देश की सुरक्षा, एकता और अखंडता उसका मूल उद्देश्य है। जैसे-जैसे संघ का वैचारिक, सांस्कृतिक, सामाजिक प्रभाव देश और दुनिया में बढ़ रहा है, वैसे-वैसे हिंदुत्व और राष्ट्र के प्रति समर्पित इस संगठन के बारे में जानने और समझने की ललक लोगों के बीच बढ़ती जा रही है। इस विशाल संगठन के विभिन्न विषयों पर विचार तथा इसकी कार्यप्रणाली से आमजन परिचित होना चाहते हैं। जाजू एवं त्रिवेदी की पुस्तक संघ से जुड़ी जिज्ञासाओं का प्रभावी, प्रासंगिक एवं तथ्यपरक विवेचन करती है। एक सामाजिक-सांस्कृतिक संगठन होते हुए भी संघ ने भारतीय राजनीति की दिशा को राष्ट्रीयता की ओर कैसे परिवर्तित किया है, यह समझने के लिए भी यह पुस्तक पढ़ना आवश्यक है। भारत का विश्वगुरु के रूप में अभ्युदय एक महत्वपूर्ण प्रश्न रहा जिसकी विवेचना लेखक ने समग्र रूप से प्रस्तुत पुस्तक में की है, जो संघ के शताब्दी वर्ष की आयोजना का मूल केन्द्र है। इस महत्वपूर्ण पुस्तक का लोकार्पण भारत के उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में किया। समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वरिष्ठ पत्रकार रामबहादुर राय तथा अनेक विशिष्ट जनों की उपस्थिति ने इसे केवल पुस्तक-विमोचन तक सीमित नहीं रहने दिया, बल्कि संघ की शताब्दी यात्रा पर एक राष्ट्रीय विमर्श का स्वरूप प्रदान किया। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने संघ-इतिहास से जुड़ी अनेक नये सन्दर्भों एवं बातों को विवेचित करते हुए कहा कि किस तरह से संघ पिछले सौ वर्षों से राष्ट्र और समाज की सेवा कर रहा है, किंतु उसके बारे में आज भी अनेक भ्रांतियां और पूर्वाग्रह मौजूद हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह पुस्तक उन भ्रमों को दूर करने और संघ के वास्तविक स्वरूप को समझने का सशक्त माध्यम बनेगी। यह टिप्पणी इस पुस्तक की मूल आत्मा भी है, क्योंकि इसका उद्देश्य केवल संघ का गुणगान करना नहीं, बल्कि उसकी वैचारिक यात्रा, संगठनात्मक विकास, राष्ट्र निर्माण में भूमिका तथा भविष्य की दिशा को तथ्यपरक ढंग से सामने रखना है। इस पुस्तक की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह संघ को केवल अतीत के संदर्भ में नहीं देखती, बल्कि विकसित भारत-2047, सांस्कृतिक पुनर्जागरण, सामाजिक समरसता, आत्मनिर्भरता, सेवा, राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक भारत की उभरती भूमिका के साथ जोड़कर उसका विश्लेषण करती है। इसलिए यह केवल संघ के इतिहास का दस्तावेज नहीं, बल्कि नए भारत के वैचारिक विमर्श का भी एक महत्त्वपूर्ण ग्रंथ है। पुस्तक का स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ा अध्याय विशेष रूप से उल्लेखनीय है। लंबे समय से यह आरोप लगाया जाता रहा है कि संघ का स्वतंत्रता आंदोलन में कोई योगदान नहीं था। पुस्तक इस धारणा का ऐतिहासिक तथ्यों के आधार पर प्रतिवाद करती है। इसमें डॉ. हेडगेवार की स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भूमिका, उनके कारावास, भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान स्वयंसेवकों द्वारा क्रांतिकारियों को सहयोग तथा विभाजन के समय राहत और सुरक्षा कार्यों का विस्तार से उल्लेख किया गया है। पुस्तक का एक अन्य महत्त्वपूर्ण पक्ष यह है कि इसमें संघ को राजनीति से जोड़कर देखने की सीमित दृष्टि का विस्तार किया गया है। इसमें स्पष्ट किया गया है कि संघ स्वयं राजनीतिक दल नहीं है, बल्कि समाज के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले व्यक्तियों का निर्माण करने वाला संगठन है। शिक्षा, ग्राम विकास, पर्यावरण, सेवा, संस्कृति, श्रमिक संगठन, छात्र आंदोलन, महिला सशक्तीकरण, अनुसूचित वर्गों के उत्थान तथा आपदा राहत जैसे अनेक क्षेत्रों में संघ प्रेरित संगठनों की भूमिका का विस्तृत परिचय दिया गया है। विशेष रूप से सेवा कार्यों का विवरण इस पुस्तक की आत्मा है। कोरोना महामारी, प्राकृतिक आपदाओं, सीमावर्ती क्षेत्रों, वनवासी समाज तथा अभावग्रस्त वर्गों के बीच संघ और उसके स्वयंसेवकों द्वारा किए गए कार्यों को तथ्यात्मक रूप में प्रस्तुत किया गया है। इससे स्पष्ट होता है कि संघ का सेवा कार्य केवल संकट के समय तक सीमित नहीं, बल्कि निरंतर चलने वाली सामाजिक साधना है।

पुस्तक में संघ से जुड़े अनेक मिथकों और विवादों पर भी खुलकर चर्चा की गई है। हिंदू राष्ट्र की अवधारणा, जाति व्यवस्था, आरक्षण, महिलाओं की भूमिका, अल्पसंख्यकों के प्रति दृष्टिकोण तथा लोकतंत्र के प्रति संघ की प्रतिबद्धता जैसे विषयों को विस्तार से समझाया गया है। विशेष रूप से राष्ट्र सेविका समिति के माध्यम से महिलाओं की सहभागिता का विवरण उन धारणाओं को चुनौती देता है कि संघ में महिलाओं के लिए कोई स्थान नहीं है। पुस्तक का एक आकर्षक अध्याय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और वैश्विक स्तर पर भारत की बढ़ती भूमिका को संघ की वैचारिक दृष्टि से देखता है। वैचारिक दृष्टि से देखें तो पुस्तक बार-बार इस तथ्य को रेखांकित करती है कि संघ का मूल उद्देश्य सत्ता प्राप्ति नहीं, बल्कि चरित्रवान नागरिकों का निर्माण है। संघ के अनुसार राष्ट्र निर्माण का आधार व्यक्ति निर्माण है। शाखा इसी उद्देश्य की प्रयोगशाला है, जहां अनुशासन, सेवा, नेतृत्व और सामाजिक समरसता का अभ्यास कराया जाता है। यही कारण है कि पुस्तक बार-बार यह स्थापित करती है कि स्वयंसेवक ही संघ का वास्तविक परिचय है।

निस्संदेह किसी भी वैचारिक पुस्तक की तरह इस पुस्तक को भी विभिन्न दृष्टिकोणों से पढ़ा जा सकता है। आलोचक इसके कुछ निष्कर्षों पर असहमति व्यक्त कर सकते हैं, जबकि समर्थकों को इसमें अपने विचारों का प्रामाणिक आधार मिलेगा।

पंजाब के सियासी रण में प्रधानमंत्री मोदी की एंट्री

अशोक भाटिया

पंजाब की सियासत हमेशा से देश की राजनीति में एक अलग और विशिष्ट स्थान रखती रही है। सीमावर्ती राज्य होने के कारण यहाँ की सुरक्षा, सामाजिक ताना-बाना और आर्थिक चुनौतियाँ राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनती हैं। हाल के दिनों में पंजाब के राजनीतिक परिदृश्य में एक बड़ा मोड़ तब आया, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य के चुनावी रण में सीधे तौर पर कदम रखा। उनकी रैलियों, घोषणाओं और आक्रामक राजनीतिक तेवरों ने पंजाब की राजनीति में एक नई हलचल पैदा कर दी है। इस प्रविष्टि से न केवल राज्य के चुनावी समीकरणों में बदलाव के संकेत मिल रहे हैं, बल्कि लंबे समय से चले आ रहे पारंपरिक गठबंधनों और राजनीतिक प्राथमिकताओं को भी एक नया आकार मिलता दिख रहा है।

जालंधर की रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मंच पर हरी पगड़ी पहनकर आना एक बड़ा राजनीतिक संकेत था. हरी पगड़ी पारंपरिक रूप से पंजाब में किसानों और कृषि क्रांति का प्रतीक मानी जाती है। इसके जरिए उन्होंने यह संदेश देने की कोशिश की कि वे किसानों की भावनाओं और पहचान का सम्मान करते हैं और भाजपा किसान विरोधी नहीं है. प्रधानमंत्री ने अपने भाषणों में चतुर राजनीतिक चाल चलते हुए पड़ोसी राज्य हरियाणा का उदाहरण पेश

किया. उन्होंने रेखांकित किया कि हरियाणा में भाजपा सरकार किसानों की 24 फसलों पर टरढ दे रही है. इसके माध्यम से पंजाब के किसानों के बीच यह नैरेटिव सेट करने की कोशिश की जा रही है कि यदि पंजाब में भी डबल इंजन सरकार आती है, तो यहाँ के किसानों को भी वैसा ही वित्तीय और ढांचागत लाभ मिल सकता है, जो आम आदमी पार्टी या कांग्रेस सरकार नहीं दे पा रही है।

पंजाब का राजनीतिक इतिहास मुख्य रूप से शिरोमणि अकाली दल और कांग्रेस के इर्द-गिर्द घूमता रहा है। पिछले कुछ वर्षों में आम आदमी पार्टी ने यहाँ एक मजबूत ताकत के रूप में उभरकर सत्ता हासिल की, जिससे मुकाबला त्रिकोणीय हो गया। अब, भारतीय जनता पार्टी द्वारा अकेले चुनाव लड़ने के फैसले और प्रधानमंत्री मोदी के सीधे कमान संभालने से यह मुकाबला पूरी तरह से चतुष्कोणीय और बेहद जटिल हो गया है।अकाली दल के साथ दशकों पुराने गठबंधन के टूटने के बाद, भाजपा को पंजाब में एक जूनियर पार्टनर या सिर्फ शहरी इलाकों तक सीमित पार्टी के रूप में देखा जाता था। लेकिन प्रधानमंत्री की एंट्री ने भाजपा को एक स्वतंत्र और आक्रामक विकल्प के रूप में पेश किया है।

प्रधानमंत्री की जनसभाओं में उमड़ी भीड़ और उनके भाषणों के तेवर यह साफ करते हैं कि भाजपा अब राज्य में केवल अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए नहीं, बल्कि मुख्यधारा की ताकत बनने के इरादे से उतर चुकी है।

प्रधानमंत्री मोदी की राजनीति की एक बड़ी विशेषता यह रही है कि वे हर चुनाव को केंद्र सरकार की योजनाओं और राष्ट्रीय प्रगति से जोड़ते हैं। पंजाब में भी उन्होंने इसी रणनीति को आगे बढ़ाया है। उन्होंने जालंधर और अन्य क्षेत्रों में हजारों करोड़ रुपये की रेल और सड़क बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की सौगात देकर विकास के नैरेटिव को धार दी है।पंजाब लंबे समय से भारी कर्ज, उद्योगों के पलायन और कृषि क्षेत्र में ठहराव जैसी आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहा है। ऐसे में प्रधानमंत्री ने यह संदेश देने की कोशिश की है कि राज्य की इन गहरी आर्थिक समस्याओं का समाधान केवल केंद्र और राज्य में एक ही दल की सरकार यानी डबल इंजन सरकार के माध्यम से ही संभव है। यह नैरेटिव विशेष रूप से पंजाब के शहरी मतदाताओं, व्यापारियों और युवाओं को आकर्षित कर सकता है, जो राज्य में औद्योगिक पुनरुद्धार और रोजगार के नए अवसरों की तलाश में हैं। प्रधानमंत्री ने पंजाब की धरती से राज्य की सत्ताधारी आम आदमी पार्टी और मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस पर तीखे हमले किए हैं। उन्होंने आप सरकार को कानून-व्यवस्था और भ्रष्टाचार के मोर्चे पर घेरते हुए कट्टर बेईमान की संज्ञा दी, तो वहीं कांग्रेस को अंदरूनी कलह और दिशाहीनता का शिकार बताया।इस सीधे हमले का असर यह होगा कि अब तक जो मुकाबला आप बनाम कांग्रेस या आप बनाम अकाली दल के बीच सिमटा हुआ दिख रहा था, वह अब केंद्र बनाम राज्य के मुद्दों पर केंद्रित हो सकता है। विपक्ष को अब न केवल अपनी लोकलुभावन योजनाओं का बचाव करना होगा, बल्कि केंद्र द्वारा उठाए गए राष्ट्रीय सुरक्षा और वित्तीय कुप्रबंधन के सवालों का भी जवाब देना होगा। इससे क्षेत्रीय दलों को अपनी रणनीतियों में बदलाव करने और रक्षात्मक मुद्रा से बाहर आने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

मेरा हक, मेरा सपना, मेरा लोकतंत्र — अब और इंतजार नहीं

कृति आरके जैन

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी विडंबना यह नहीं कि महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण देर से मिला, बल्कि यह है कि कानून बनने के बाद भी उसका लाभ आज तक नहीं मिला। संविधान (106वाँ संशोधन) अधिनियम, 2023 पारित और अप्रैल 2026 में अधिसूचित हो चुका है, फिर भी उसका क्रियान्वयन जनगणना और परिसीमन तक टला है। 20 जुलाई 2026 से जंतर-मंतर पर प्रस्तावित अनिश्चितकालीन धरना केवल आंदोलन नहीं, बल्कि उस व्यवस्था से सीधा सवाल है जिसने अधिकार तो दिया, पर उसे लागू नहीं किया। आंदोलनकारी महिलाओं का स्पष्ट संदेश है—ह्यहमें भविष्य की संसद का आश्वासन नहीं, वर्तमान की संसद में अपना संवैधानिक स्थान चाहिए।ह्न यह केवल महिलाओं की पुकार नहीं, बल्कि लोकतंत्र के अधूरे वादे की गूंज है।

संविधान (106वां संशोधन) अधिनियम, 2023 ने लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण का मार्ग खोला और इसे भारतीय राजनीति का ऐतिहासिक मोड़ माना गया। अप्रैल 2026 में अधिसूचना जारी होने के बावजूद इसका क्रियान्वयन अगली जनगणना और उसके बाद होने वाले परिसीमन से जोड़ दिया गया। यानी अधिकार संविधान में दर्ज है, लेकिन उसका लाभ अब भी टला हुआ है। यही कारण है कि महिला संगठनों का आक्रोश बढ़ रहा है। वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता शबनम हाशमी सहित अनेक महिला नेताओं का सवाल है—क्या आधी आबादी को आज भी लोकतंत्र में ह्यदूसरी श्रेणी का नागरिकह्न मानकर इंतजार कराया जाएगा? यदि समान अधिकार संवैधानिक संकल्प है, तो उसका क्रियान्वयन भी बिना विलंब होना चाहिए।

इस देरी के पीछे केवल संवैधानिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि राजनीतिक गणित भी है। 2021 की जनगणना अब तक नहीं हुई, जबकि उसके बाद का परिसीमन देश का राजनीतिक संतुलन बदल सकता है। अनुमान है कि लोकसभा की सीटें 543 से बढ़कर लगभग 850 हो सकती हैं। इससे उत्तर भारतीय राज्यों का प्रतिनिधित्व बढ़ेगा, जबकि जनसंख्या नियंत्रण में सफल दक्षिणी राज्यों की हिस्सेदारी घटने की आशंका है। इसी कारण अप्रैल 2026 में लाए गए 131वें संविधान संशोधन और परिसीमन विधेयक पर विवाद गहरा गया। विपक्ष इसे राजनीतिक रणनीति मानता है, जबकि महिला संगठनों का आरोप है कि महिला आरक्षण को परिसीमन से जोड़कर उसका क्रियान्वयन टाल दिया गया।

पूरी रथोत्सव में भगदड़ : दोषी सरकार

सीता राम शर्मा चेतन

मन अत्यंत उदास, हताश और आक्रोश से भरा है । भगवान जगन्नाथ के 16 जुलाई 2026 के पूरी रथ यात्रा उत्सव में हुई भगदड़ में दो व्यक्ति की मौत की अधिकारिक पुष्टि हुई है और लगभग डेढ़ सौ लोग घायल हुए हैं । इस रथ यात्रा उत्सव में शामिल होने के लिए मैं भी रांची से जगन्नाथ पूरी गया था । लगभग साढ़े तीन बजे तक मैं भी उस घोर अव्यवस्थित, लापरवाह, भीड़ का हिस्सा था । जिसको लेकर सत्ता और शासन बारह-तेरह हजार पुलिसकर्मी और सैकड़ों अधिकारियों के इंतजाम की बात करते हैं । भगदड़ संभवतः पांच बजे के बाद हुई पर सच कहूं तो मेरे लिए भगदड़ जैसी स्थिति तो साढ़े तीन बजे ही थी जब घबराकर मैं भारी मशक्कत के बाद सड़क के किनारे आने में सफल हुआ और फिर भगवान जगन्नाथ के रथ की डोर थामने का संकल्प त्याग कर वापस रेलवे-स्टेशन की ओर चल दिया । बता दूं कि पूरी में रथ यात्रा उत्सव में शामिल हर श्रद्धालु भक्त का लक्ष्य भगवान जगन्नाथ के रथ की डोर थामना, खींचना होता है । प्रचलित मान्यता है कि ऐसा करने से या फिर सिर्फ एक बार सच्चे हृदय से ईश्वर का नाम लेने मात्र से मनुष्य को भगवान का विशेष आशीर्वाद और जीवनोपरांत मोक्ष मिलता है । मेरा स्पष्ट मानना है कि मानवीय जीवन के लिए मोक्ष प्राप्ती का ऐसा क्षणिक, अति विशिष्ट, वैकल्पिक व्यवस्था का विधान संभवतः ईश्वरीय धार्मिक विधान नहीं होगा । होना भी नहीं चाहिए । बावजूद इसके किसी शास्त्र या संत वचन पर विश्वास रखते हुए यदि भगवान जगन्नाथ के रथ की डोर थामने या खींचने को लेकर ऐसा जन विश्वास है तब भी सत्ता, शासन-प्रशासन और व्यवस्थापकों को ऐसी व्यवस्था बनानी चाहिए जिससे दूर-दूर से आए लाखों लोगों में हर एक श्रद्धालु ऐसा कर पाए । सौभाग्य से पूरी का रथ यात्रा मार्ग इसके अनुकूल भी है, जरूरत है तो सिर्फ इस पर गंभीरतापूर्वक विचार और व्यवहार करने की । दुर्भाग्य से सत्ता, शासन-प्रशासन और व्यवस्थापक इसके प्रति ना पूरी तरह गंभीर हैं और ना ही होने की आवश्यकता महसूस करते हैं, यदि ऐसा होता तो ना ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न होती, ना कोई हादसा होता और ना ही लाखों श्रद्धालु भक्त, जो लगभग पूरे भारत के कोने-कोने से आते हैं, बिना रथ की डोर थामे, खींचे निराश वापस जाते ।

यह आवश्यक रुप से विचारणीय तथ्य है कि यदि लोकमान्यता, शास्त्र सम्मत अथवा संत या गुरु वचनों के अनुसार भगवान जगन्नाथ के रथ यात्रा उत्सव में शामिल होकर उनके रथ की डोर का स्पर्श करने या उसे

खींचने से बड़ा पुण्य लाभ मिलता है तो फिर लोक कल्याण अथवा लोक आस्था को पूर्ण करने हेतू क्या ऐसी सरल व्यवस्था भगवान जगन्नाथ के सेवक, पुजारी, मंदिर व्यवस्थापक समूह और सरकार को नहीं करनी चाहिए ? क्या पंक्तिबद्ध दर्शन और रथ डोर छुने, खींचने की व्यवस्था नहीं हो सकती ? पूरी में भगवान जगन्नाथ मंदिर से गुंडिचा मंदिर (मौसी बाड़ी) की दूरी लगभग तीन किलोमीटर है ।

इस यात्रा मार्ग की चौड़ाई लगभग तीन सौ फीट है । भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और मां सुभद्रा के रथ की कुल चौड़ाई लगभग एक सौ फीट होती है । यदि तीनों रथों को एक साथ दस-दस फीट की दूरी के साथ चलाया जाए तो भी उन्हें एक साथ एक सौ पचास फीट में बहुत व्यवस्थित रूप से चलाया जा सकता है । शेष एक सौ पचास फीट की चौड़ाई में पचास रेखा खींच कर उस पर रस्सी लगभग तीन किलोमीटर तक सीधी बांध दी जाए और हर आठ (पंक्ति) रस्सी के बाद एक रस्सी पर दस-दस मीटर की दूरी पर एक-एक सुरक्षाकर्मी (पुलिसकर्मी) तैनात हो तो कुल पचास में से सात पंक्ति में दस-दस मीटर की दूरी पर तैनात सुरक्षाकर्मियों की संख्या दो हजार एक सौ होगी और शेष तैंतालीस पंक्ति में बहुत आराम से रस्सी थामें लोगों की संख्या (प्रति रस्सी तीन किलोमीटर में छह हजार के हिसाब से) दो लाख अट्ठावन हजार होगी । अर्थात दोनों मार्ग मिलाकर कुल श्रद्धालुओं की संख्या होगी पांच लाख सोलह हजार और सुरक्षाकर्मी लगेंगे चार हजार दो सौ । एक बार में रथ खींचेंगे दो लाख अट्ठावन हजार लोग और उनके कतार में लगने, रथ खींचने और जाने में बहुत आराम से सुलभ समय लगेगा मात्र दो घंटा । अर्थात यदि सुबह सात बजे से यह आयोजन हो तो पांच बार यह चक्र बहुत आराम से चलेगा और अत्यंत व्यवस्थित तरीके से बारह लाख नब्बे हजार श्रद्धालु प्रसन्नतापूर्वक भक्तिपूर्ण माहौल में अपने भगवान का दर्शन कर और रथ खींच कर स्वंय को कृतार्थ कर पाएंगे ! यदि इसमें समय और संसाधन का बेहतर सदुपयोग हो तो यह संख्या सहजता पूर्वक अठारह लाख तक की जा सकती है । इस बार हुए आयोजन में सुरक्षाकर्मियों की संख्या दस हजार से उपर बताई जा रही है ! इतनी संख्या में तो समूची पूरी को व्यवस्थित किया जा सकता है पर सवाल यह है कि करेगा कौन ? हर एक श्रद्धालु की श्रद्धा, भक्ति और इच्छापूर्ति के लिए समूची व्यवस्था को जवाबदेह बनाएगा कौन ?

अंतिम अत्यंत आवश्यक विचारणीय प्रश्न जो पूरी के रथ यात्रा मार्ग पर

लगभग एक घंटे में मैंने महसूस किया, वीआईपी मार्ग और उनकी गाड़ियों का शोर, उन चंद लोगों की सुरक्षा के लिए लाखों लोगों को होने वाली परेशानी क्यों ? यह उन्हें समझने समझाने की जरूरत है । सच्चाई यही है कि इस सारी अव्यवस्था और व्यवस्थागत कमियों के लिए निर्विवादित रूप से दोषी वे भी हैं । फिलहाल देश और उड़ीसा में सरकार खुद को राम राज्य की समर्थक वाली समझती है, अच्छा होगा कि वह मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जनहित वाले संवेदनशील और जिम्मेवार चरित्र का निर्वाह करने का भी प्रयास करें अन्यथा धार्मिक दृष्टिकोण से अंतिम न्याय तो वही श्रीराम जो जगन्नाथ भी हैं, करेंगे । आशा पर संसार जीवीत है और आशा के साथ किए गए प्रयास सफल होते हैं ।

बूथ योद्धा तैयार करेगी भाजपा, 2027 के रण में बनेंगे 'किंगमेकर'

जोश-होश के साथ लक्ष्य साधने निकली भाजपा चुनावी रणनीति को देगी धार, 1.77 लाख बूथों पर सौंपेगी कमान

लखनऊ।
उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव-2027 की तैयारियों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अब सबसे बड़ी चुनावी ताकत माने जाने वाले बूथ अध्यक्षों को 'बूथ योद्धा' के रूप में तैयार करने जा रही है। पार्टी का मानना है कि चुनावी जीत की असली लड़ाई मतदान केंद्र पर लड़ी और जीती जाती है। यही कारण है कि 22 जुलाई को प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर एक साथ होने वाला बूथ अध्यक्ष सम्मेलन केवल संगठनात्मक कार्यक्रम नहीं, बल्कि 2027 के चुनावी रण के लिए बूथ स्तर के 'किंगमेकर' तैयार करने का अभियान माना जा रहा है।

कार्यकताओं में जोश भरने के साथ लक्ष्य साधने निकली भाजपा ने चुनावी रणनीति को धार देते हुए संगठन को 'बूथ जीता तो चुनाव जीता' के मंत्र पर काम करने का आह्वान किया है। भाजपा के प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने कहा कि 2027 का विधानसभा चुनाव बूथ केंद्रित रणनीति के आधार पर लड़ा जाएगा। प्रत्येक बूथ को भाजपा की जीत का अभेद्य दुर्ग बनाया जाएगा। महानगर अध्यक्ष, जिलाध्यक्ष, जनप्रतिनिधि, सभी मोर्चा के पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, बूथ अध्यक्ष, क्षेत्रीय पदाधिकारी, शक्ति केंद्र संयोजक और प्रमुख कार्यकताओं का 403 विधासभाओं में 22 जुलाई को एक समय

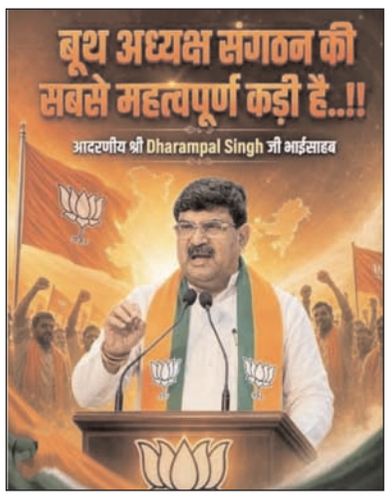

पर बूथ सम्मेलन होगा। प्रदेश में 1,77,516 बूथों पर भाजपा का संगठन सक्रिय है। पहली बार प्रदेश की सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों में एक ही समय पर बूथ अध्यक्ष सम्मेलन आयोजित कर संगठन एक साथ चुनावी संदेश देने जा रहा है। पार्टी ने प्रत्येक बूथ अध्यक्ष को अपने बूथ का राजनीतिक, सामाजिक और संगठनात्मक आधार मजबूत करने की जिम्मेदारी सौंपी है। सम्मेलन में बूथ अध्यक्षों को केवल जिम्मेदारियां नहीं दी जाएंगी, बल्कि उन्हें मतदाता संपर्क, बूथ प्रबंधन, संगठन विस्तार और मतदान प्रतिशत बढ़ाने की रणनीति भी समझाई जाएगी।

भाजपा की चुनावी रणनीति का केंद्र इस बार भी बूथ ही है। संगठन का मानना है कि जिस दल की पकड़ बूथ पर मजबूत होगी, सत्ता की चाबी भी उसी के हाथ होगी। इसलिए बूथ अध्यक्षों को स्थानीय स्तर पर पार्टी का सबसे प्रभावी चेहरा और चुनावी कमांडर बनाया जा रहा है। हर बूथ अध्यक्ष अपने क्षेत्र की संगठनात्मक जानकारी, वर्तमान और पूर्व पदाधिकारियों की सूची तथा बूथ पालक का विवरण लेकर सम्मेलन में पहुंचेंगे। इससे प्रत्येक बूथ का नया संगठनात्मक डाटा तैयार होगा और जवाबदेही भी तय होगी। राजनीतिक दृष्टि से देखें तो भाजपा उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 के लिए बूथ स्तर पर किसी तरह की ढिलाई नहीं छोड़ना चाहती है। पार्टी की कोशिश है कि हर बूथ पर ऐसा कार्यकर्ता तैयार हो, जो मतदान तक मतदाता से लगातार संपर्क बनाए रखे, सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद करे और मतदान के दिन बूथ प्रबंधन की पूरी जिम्मेदारी संभाले।

बूथ अध्यक्ष सम्मेलन में राष्ट्रीय, प्रदेश और क्षेत्रीय स्तर के पदाधिकारियों की मौजूदगी भी इसी रणनीति का हिस्सा है। वरिष्ठ नेता सीधे बूथ अध्यक्षों को जीत का मंत्र देंगे और उन्हें चुनावी लक्ष्य से अवगत कराएंगे। भाजपा का संदेश स्पष्ट है कि 2027 का विधानसभा चुनाव केवल नेताओं के भाषणों से नहीं, बल्कि बूथ योद्धाओं की सक्रियता से जीता जाएगा।

'मेरा बूथ सबसे मजबूत' के देंगे टिप्स

भाजपा के प्रदेश महामंत्री व बूथ सम्मेलन के प्रदेश संयोजक दिलीप पटेल ने हिन्दुस्थान समाचार से बातचीत में बताया कि 22 जुलाई को पूरे उत्तर प्रदेश की सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों में एक साथ भाजपा बूथ सम्मेलन आयोजित कर रही है।

इसमें प्रदेश स्तर से नामित अतिथि शामिल होंगे। इनमें मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश संगठन महामंत्री, प्रदेश पदाधिकारी, वर्तमान एवं पूर्व क्षेत्रीय पदाधिकारी तथा एमएलसी मुख्य अतिथि के रूप में विभिन्न स्थानों पर जाएंगे। संबंधित क्षेत्र के विधायक और 2022 विधानसभा चुनाव के प्रत्याशी कार्यक्रम की व्यवस्था की दृष्टि से प्रमुख भूमिका निभाएंगे। बूथ अध्यक्षों को उनके दायित्व बताए जाएंगे। उन्हें प्रशिक्षण दिया जाएगा कि बूथ पर कैसे काम करना है, लोगों से संपर्क और संवाद कैसे बढ़ाना है तथा संगठन को कैसे मजबूत करना है। उन्हें बताया जाएगा कि 'मेरा बूथ सबसे मजबूत' के लक्ष्य को कैसे पूरा करना है और प्रत्येक बूथ पर भाजपा को सर्वाधिक मत कैसे दिलाना है। संपर्क, संवाद और सहयोग के माध्यम से बूथ को मजबूत बनाने पर जोर दिया जाएगा।

वाराणसी में गंगा का जलस्तर बढ़ा, 22 जुलाई तक भारी बारिश का अलर्ट

वाराणसी।
उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी (काशी) और आसपास के जनपदों में रिमझिम बारिश के बीच सदानीरा गंगा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। पहाड़ी क्षेत्रों में हो रही तेज वर्षा का असर अब काशी में भी साफ दिखाई देने लगा है। सोमवार को गंगा की उफनती लहरें दशाश्वमेध घाट स्थित गंगा सेवा निधि के आरती मंच (प्लेटफॉर्म) तक पहुंच गईं। वहीं, घाटों की निचली सीढ़ियों (मढ़ियों) पर बने छोटे मंदिर जलमग्न हो गए हैं, जिनमें स्थापित भगवान शिव, हनुमान और अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाएं भी डूब गई हैं।

केंद्रीय जल आयोग के अनुसार ,सोमवार सुबह आठ बजे वाराणसी में गंगा का जलस्तर 60.88 मीटर पर पहुंचकर स्थिर हो गया। गंगा का चेतावनी स्तर 70.262 मीटर तथा खतरे का निशान 71.262 मीटर निर्धारित है। वर्तमान में जलस्तर चेतावनी बिंदु से काफी नीचे है, लेकिन पिछले तीन दिनों में इसमें

लगातार वृद्धि दर्ज की गई है। शुक्रवार को जलस्तर 60.53 मीटर, शनिवार को 60.67 मीटर, रविवार को 60.77 मीटर और सोमवार सुबह छह बजे तक 60.88 मीटर रिकॉर्ड किया गया। हालांकि फिलहाल जलस्तर स्थिर है, लेकिन मौसम विभाग द्वारा 20 से 22 जुलाई तक वाराणसी सहित पूरे पूर्वांचल में भारी वर्षा की चेतावनी जारी किए जाने से तटवर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की चिंता बढ़ गई है।

सोमवार के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। यदि ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में लगातार वर्षा होती रही तो गंगा के जलस्तर में और तेजी से वृद्धि की आशंका है। केंद्रीय जल आयोग स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।

गंगा किनारे अहिल्याबाई घाट क्षेत्र में रहने वाले नियमित गंगा स्नानार्थी संतोष पांडेय और दिनेश अग्रहरि ने बताया कि आषाढ़ और सावन के दौरान बारिश तथा बांधों से पानी छोड़े जाने के कारण हर वर्ष बाढ़ जैसी स्थिति बनती है। तटवर्ती क्षेत्रों के लोग इसके लिए पहले से तैयारी करते हैं, फिर भी बाढ़ की आशंका बनी रहती है।

उनका कहना है कि जब गंगा रौद्र रूप धारण करती हैं तो श्रद्धालु उनकी आराधना कर स्थिति सामान्य होने की प्रार्थना करते हैं।

बरहज-सोनूघाट मार्ग ठीक कराने की मांग को लेकर सपा कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन

देवरिया।
उत्तर प्रदेश के जनपद देवरिया में जनसमस्याओं को लेकर समाजवादी पार्टी के नेता विजय रावत ने सोमवार को बरहज-सोनूघाट मार्ग पर सड़क के गड्ढों में बैठकर ग्रामीणों के साथ प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने सड़क की बदहाल स्थिति को लेकर भाजपा सरकार और संबंधित विभाग पर जमकर निशाना साधा तथा 21 जुलाई से भूख हड़ताल शुरू करने की घोषणा की।

प्रदर्शन के दौरान विजय रावत ने कहा कि पिछले दस वर्षों से बरहज-सोनूघाट मार्ग जर्जर

अवस्था में पड़ा है। सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढों के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं और कई लोगों की जान भी जा चुकी है। विजय रावत ने घोषणा की कि यदि समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो 21 जुलाई से बरहज-सोनूघाट मार्ग स्थित काली मंदिर के पास अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की जाएगी। प्रदर्शन में विरेंद्र चौधरी, गुड्डू यादव, अनिरुद्ध यादव, विकास सिंह, सज्जन तिवारी, अभिषेक सिंह, अजीत प्रताप, राजू यादव, अजीत प्रसाद, श्रवण गौड़ सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

पनकी धाम स्टेशन के कायाकल्प की खुशी में जनसेवा की पहल : रवि बाजपेयी

कानपुर।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में हो रहे विकास कार्य समाज को जनसेवा के लिए प्रेरित कर रहे हैं। पनकी धाम रेलवे स्टेशन का बदला स्वरूप इसी विकास की पहचान है और उसी भावना से आमजन की सुविधा के लिए यह पहल की गई है। यह बातें उत्तर मध्य रेलवे की जोनल रेलवे यूजर कंसल्टेटिव कमेटी के सदस्य रवि बाजपेयी ने कहीं।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पनकी धाम रेलवे स्टेशन के कायाकल्प और आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होने की उल्लास में आज कल्याणपुर विधानसभा क्षेत्र के अशोक नगर स्थित हनुमान मंदिर (पीपल वाला पार्क) परिसर में वॉटर कूलर का उद्घाटन किया गया। इसके साथ ही श्रद्धालुओं और क्षेत्रवासियों के लिए दाल-बाटी के सामूहिक भोज का भी आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के आयोजक एवं भाजपा के सक्रिय नेता रवि बाजपेयी ने बताया कि मंदिर परिसर में लगाए गए वॉटर कूलर से प्रतिदिन आने वाले श्रद्धालुओं, स्थानीय नागरिकों और राहगीरों को स्वच्छ एवं शीतल पेयजल की सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थलों पर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना सामाजिक दायित्व का हिस्सा है और ऐसे कार्य समाज की सहभागिता से ही सफल होते हैं।

रवि बाजपेयी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेलवे का तेजी से आधुनिकीकरण हुआ है और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में विकास कार्यों को नई गति मिली है। पनकी धाम रेलवे स्टेशन का नया स्वरूप क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि इसी विकास से प्रेरणा लेकर लोगों की सुविधा के लिए यह जनसेवा का कार्य किया गया है।

खेत से लौट रहे युवक की धारदार हथियार से हत्या

अमेठी।
उत्तर प्रदेश के अमेठी जनपद अंतर्गत मुसाफिरखाना कोतवाली क्षेत्र के भद्दौर गांव में रविवार देर रात खेत से घर लौट रहे एक युवक की धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए आरोपितों की तलाश शुरू कर दी।

भद्दौर गांव निवासी रामकरन (40) रविवार रात करीब 11:30 बजे आवारा पशुओं से खेत की रखवाली करने के बाद घर लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में घात लगाए बैठे कुछ लोगों ने उन पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में रामकरन की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पहुंची मुसाफिरखाना पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने साक्ष्य संकलित कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

कोतवाल विवेक कुमार सिंह ने सोमवार को बताया कि प्रथम दृष्टया मामला जमीनी विवाद से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। परिजनों की तहरीर के आधार पर मृतक के भाई और भतीजे के विरुद्ध नामजद मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

अधेड़ का शव फांसी के फंदे से लटका मिला

प्रयागराज।
उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित मेजा थाना क्षेत्र के मटीही गोसौरा कला गांव में सोमवार को फंदे से अधेड़ का शव लटका मिला।

सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। फिर भी मृत्यु का स्पष्ट कारण जानने के लिए पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

पुलिस उपायुक्त यमुनानगर विवेक चन्द्र यादव ने बताया कि मेजा थाना क्षेत्र के मटीही गोसौरा कला गांव निवासी अवधेश पटेल (50) का शव सोमवार को फांसी के फंदे से लटका मिला। परिवार की सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। घटनास्थल पर फोरेंसिक टीम भी पहुंची है। परिवार से इस संबंध में पूछताछ की जा रही है। परिवार के लोग यदि कोई तहरीर देते हैं तो विधिक कार्रवाई की जाएगी।

बलिया : पुलिस मुठभेड़ में गवाह का हत्यारोपित गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

बलिया।
उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में थाना गड़वार पुलिस ने एक मुकदमे में गवाह की हत्या मामले में एक आरोपित को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार हत्यारोपित पैर में गोली लगने से घायल हो गया है, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के अनुसार, रविवार की बीती मध्यरात्रि गड़वार पुलिस गश्त और चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर रतसड़-नूरपुर मार्ग स्थित पुलिया के पास संदिग्ध की घेराबंदी की गई। पुलिस का दावा है कि खुद को घिरा देख आरोपित सौरभ उपाध्याय (27) निवासी असनवार पंडितपुरा ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में आरोपित के दाहिने पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। घायल आरोपित को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रतसड़ भेजा गया, जहां उसका उपचार जारी है।

अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) संजय वर्मा ने सोमवार सुबह बताया कि पूछताछ में मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार आरोपित ने स्वीकार किया कि उसने अपने पिता देवेन्द्र उपाध्याय के कहने पर अपने साथियों गोविन्द चौहान, अरुण राजभर, सोनू चौहान और सूरज चौहान के साथ मिलकर पुराने मुकदमे के गवाह विनोद उपाध्याय की हत्या की थी। एएसपी ने बताया कि आरोपित के कब्जे से एक अवैध .315 बोर तमंचा, एक जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस बरामद करने का दावा किया है। मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

कानपुर देहात : डिवाइडर से टकराकर कार में लगी आग, दो लोगों की जिंदा जलकर मौत

कानपुर देहात।
उत्तर प्रदेश के कानपुर देहात जनपद में कानपुर-इटावा राष्ट्रीय राजमार्ग पर रविवार देर रात डेरापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत मुंगीसापुर के पास एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई।

टक्कर के बाद कार में भीषण आग लग गई और देखते ही देखते आग ने वाहन को अपनी आगोश में ले लिया। इस हादसे में कार सवार दो लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई।

स्वस्थ समाज के निर्माण में जागरूकता और नियमित स्वास्थ्य जांच जरूरी : प्रो. विनय कुमार पाठक

कानपुर।
स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और नियमित स्वास्थ्य परीक्षण की आदत विकसित करना आवश्यक है। विश्वविद्यालय इसी उद्देश्य से समाज के बीच पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं और जनजागरूकता कार्यक्रमों का संचालन कर रहा है। यह बातें रविवार को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने कहीं।

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेस विभाग की ओर से रविवार को कल्याणपुर स्थित रतन आर्बिट, मुखर्जी विहार में स्वास्थ्य शिविर का

शुभारंभ किया गया। शिविर का आयोजन राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा तथा कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक के मार्गदर्शन में किया गया। इसका उद्देश्य स्थानीय लोगों को स्वास्थ्य परीक्षण की सुविधा उपलब्ध कराने के साथ-साथ विभिन्न बीमारियों के प्रति जागरूक करना रहा।

शिविर का संचालन स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेस के निदेशक डॉ. मुनीश रस्तोगी के नेतृत्व में किया गया। इसमें बुजुर्गों, महिलाओं, पुरुषों और बच्चों के लिए फिजियोथेरेपी परीक्षण, नेत्र परीक्षण, रक्तचाप परीक्षण तथा पोषण संबंधी मूल्यांकन की व्यवस्था की गई। विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों की लंबाई और वजन का मापन कर उनके पोषण स्तर का भी आकलन किया।

शिविर में विशेष रूप से बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित किया गया। उनका रक्तचाप और शारीरिक परीक्षण कर उन्हें उम्र बढ़ने के साथ होने वाले शारीरिक परिवर्तनों, नियमित व्यायाम तथा संतुलित जीवनशैली के बारे में जानकारी दी गई। चिकित्सकों ने उन्हें स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सावधानियां अपनाने की भी सलाह दी।

बच्चों और बुजुर्गों के नेत्र परीक्षण के दौरान निकट एवं दूर दृष्टि की जांच कर आवश्यकता के अनुसार चश्मे की पावर निर्धारित की गई। इसके अलावा रंग पहचानने की क्षमता (वर्णान्धता) की भी जांच की गई। विशेषज्ञों ने लोगों को बताया कि मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों का आंखों पर भी प्रभाव पड़ सकता है, इसलिए समय-समय पर नेत्र परीक्षण कराना आवश्यक है। शिविर में उपस्थित लोगों को संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, स्वच्छ जीवनशैली और विभिन्न रोगों की रोकथाम के उपायों की जानकारी भी दी गई।

तकनीकी त्रुटि दूर कर एलएलबी छात्रों का परीक्षाफल अपडेट : राकेश कुमार

कानपुर।
एलएलबी पाठ्यक्रम के परीक्षा परिणाम विश्वविद्यालय की परीक्षा नियमावली और प्रचलित अध्यादेश के अनुरूप घोषित किए गए हैं। जिन छात्रों के परीक्षाफल में तकनीकी त्रुटि के कारण समस्या आई थी, उसे तत्काल दूर कर परिणाम अपडेट कर दिया गया है। यह बातें रविवार को परीक्षा नियंत्रक राकेश कुमार ने कहीं।

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय ने आज एलएलबी पाठ्यक्रम के परीक्षाफल का पुनः परीक्षण किया। जांच के दौरान पंडित आर.के. शुक्ला विधि महाविद्यालय, कानपुर (केएन-112) के एलएलबी षष्ठम सेमेस्टर के कुछ

छात्र-छात्राओं के परिणाम में तकनीकी त्रुटि सामने आई, जिसे तत्काल ठीक कर दिया गया।

परीक्षा नियंत्रक राकेश कुमार ने बताया कि समर्थ पोर्टल पर कुछ विद्यार्थियों के परीक्षाफल में तकनीकी कारणों से आर.डी. प्रदर्शित हो रहा था। मामले की जानकारी मिलते ही विश्वविद्यालय की तकनीकी टीम ने त्रुटि का परीक्षण कर उसे दूर कराया और संबंधित विद्यार्थियों का संशोधित परीक्षाफल पोर्टल पर अपडेट कर दिया।

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय से संबद्ध अन्य सभी विधि महाविद्यालयों के एलएलबी पाठ्यक्रम के परीक्षा परिणाम पूर्व निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप घोषित किए गए हैं। यह समस्या केवल पंडित आर.के. शुक्ला विधि महाविद्यालय के एलएलबी षष्ठम सेमेस्टर के कुछ परीक्षार्थियों तक सीमित थी।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने प्रभावित विद्यार्थियों से अद्यतन परीक्षाफल विश्वविद्यालय के समर्थ पोर्टल पर देखकर आवश्यक जानकारी प्राप्त करने की अपील की है।

मुठभेड़ में 25 हजार का इनामी हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार, गोली लगी

फिरोजाबाद।
थाना बसई मौहम्मदपुर पुलिस एवं एसओजी टीम ने रविवार देर रात पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग करने वाले 25 हजार रुपये के इनामिया हिस्ट्रीशीटर अभियुक्त को मुठभेड में गिरफ्तार किया है। पैर में गोली लगने से घायल अभियुक्त को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है।

अपर पुलिस अधीक्षक देहात अनुज चौधरी ने बताया कि जनपद में हिस्ट्रीशीटर, लूट, डकैती के अभियुक्तों के सत्यापन के लिए अभियान चल रहा है। इसी के क्रम में 16 जून को पुलिस टीम अभियुक्त सत्यप्रकाश उर्फ सत्ता के सत्यापन के लिए ग्राम माली पट्टी थाना बसई मौहम्मदपर गयी थी तभी पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से हिस्ट्रीशीटर अभियुक्त सत्यप्रकाश उर्फ सत्ता व उसके साथियों ने फायरिंग की थी। इस मामले में मुकदमा दर्ज कर अभियुक्तों की तलाश शुरू की गई। थाना प्रभारी बसई मौहम्मदपुर कृष्ण स्वरूप पाल रविवार देर रात पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में गश्त पर थे तभी सूचना मिली कि वांछित अभियुक्त सत्यप्रकाश उर्फ सत्ता पुत्र बनवारी लाल निवासी ग्राम मालीपट्टी थाना बसई मौहम्मदपुर अपने गांव आने वाला है। पुलिस ने घेराबंदी की तो उसने पुलिस टीम पर फायरिंग की। आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्यवाही में अभियुक्त के पैर में गोली लगी।

भाजपा ने विधानसभा चुनाव के पूर्व काशी क्षेत्र के बूथों को जीतने के लिए बनाई

काशी क्षेत्र के सभी 71 विधानसभाओं में 22 जुलाई को होंगे बूथ अध्यक्ष सम्मेलन

वाराणसी।
उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 में हैट्रिक जीत के लिए सत्तारूढ़ दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सियासी बिसात बिछाने के साथ बूथ के जीतने लिए तैयार योजना को मूर्त रूप देना शुरू कर दिया है। पार्टी नेतृत्व के निर्देश पर काशी क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाली सभी 71 विधानसभाओं में 22 जुलाई को बूथ अध्यक्ष सम्मेलन करने की तैयारी चल रही है। इस सम्मेलन के निमित्त रविवार को गुलाब बाग, सिगरा स्थित पार्टी के महानगर कार्यालय पर आयोजित

जिला व महानगर की संयुक्त बैठक हुई।

बैठक में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए काशी क्षेत्र के अध्यक्ष अशोक चौरसिया ने आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए आगे की रूपरेखा तय की। उन्होंने जमीनी स्तर पर संगठन को और अधिक मजबूत तथा सक्रिय बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। चौरसिया ने बताया कि वर्ष 2027 के चुनाव की दृष्टि से संगठन की प्राथमिक एवं महत्वपूर्ण इकाई को और अधिक सक्रिय करने की दृष्टि से आगामी 22 जुलाई को काशी क्षेत्र की सभी 71 विधान सभाओं में विधान सभा स्तर पर बूथ अध्यक्ष सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। कार्यकताओं का यही सामूहिक प्रयास हमारी असली ताकत है। ऐसे बूथ जो सी श्रेणी के है उन्हें बी श्रेणी का, एवं जो बूथ बी श्रेणी के है उन्हें ए श्रेणी का बनाना हमारा पहला लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मानना है कि बूथ जीता तो समझो चुनाव जीता। इस लिए हम सबकी पहली प्राथमिकता है कि बूथ को मजबुर करें।

क्षेत्र अध्यक्ष चौरसिया ने बैठक में जानकारी देते हुए बताया कि भाजपा का डिजिटल बूथ प्रशिक्षण अभियान संगठन को तकनीक के साथ जोड़ने का एक ऐतिहासिक अभियान है।

काशी क्षेत्र में इस अभियान को व्यापक गति प्रदान करने के लिए प्रत्येक पदाधिकारी और कार्यकर्ता सक्रिय भूमिका निभाए। प्रत्येक बूथ पर अधिक से अधिक कार्यकताओं को सरल ऐप से जोड़कर डिजिटल प्रशिक्षण पूर्ण कराया जाए। डिजिटल रूप से प्रशिक्षित कार्यकर्ता संगठन की विचारधारा, केंद्र एवं प्रदेश सरकार की उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से समाज तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। बैठक का संचालन जगदीश त्रिपाठी एवं धन्यवाद ज्ञापन सुरेन्द्र पटेल ने किया । बैठक में जिलाध्यक्ष राम सकल पटेल, प्रवीण सिंह गौतम, राहुल सिंह, सुरेंद्र पटेल, जेपी दुबे, मधुकर चित्रांश, आलोक श्रीवास्तव,अशोक कुमार जाटव आदि पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जेके सीमेंट का शुद्ध लाभ पहली तिमाही में 15.3 घटकर 274.62 करोड़

नई दिल्ली ।

वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में जेके सीमेंट` लिमिटेड का मुनाफा 15.3 प्रतिशत घटकर 274.62 करोड़ रुपए रहा। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि 2025-26 की समान तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 324.25 करोड़ रुपए था। जेके सीमेंट की परिचालन आय जून तिमाही में 20.25 प्रतिशत बढ़कर 4,031.72 करोड़ रुपए हो गई, जो 2025-26 की पहली तिमाही में 3,352.53 करोड़ रुपए थी। कंपनी का कुल खर्च आलोच्य तिमाही में 25.5 प्रतिशत बढ़कर 3,664.82 करोड़ रुपए हो गया। कंपनी की कुल आय जून 2026 को समाप्त तिमाही में 19.41 प्रतिशत बढ़कर 4,070.97 करोड़ रुपए रही।

हुरुन की रियल एस्टेट सूची में आईएचसीएल, ओयो शीर्ष 10 में शामिल

प्रिज्म (ओयो) का मूल्यांकन 107 फीसदी बढ़ा, इंडियन होटल्स भी शीर्ष पर

नई दिल्ली ।

2026 की ग्रोहे-हुरुन इंडिया रियल एस्टेट-150 सूची में हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र ने अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। इस सूची में टाटा समूह की इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड (आईएचसीएल) और ओयो की मूल कंपनी प्रिज्म शीर्ष-10 में जगह बनाने वाली आतिथ्य कंपनियां बनकर उभरी हैं। प्रिज्म ने अपने मूल्यांकन में जबरदस्त उछाल के साथ पहली बार इस प्रतिष्ठित सूची के शीर्ष-10 में प्रवेश किया है। रिपोर्ट के अनुसार रितेश अग्रवाल की अगुवाई वाली प्रिज्म (ओयो) आतिथ्य क्षेत्र की सबसे बड़ी सफलता की कहानी बनकर उभरी। इसका मूल्यांकन 107 प्रतिशत बढ़कर 67,200 करोड़ रुपये हुआ, जिससे यह छह पायदान ऊपर चढ़कर पांचवें स्थान पर पहुंची और पहली बार शीर्ष-10 में शामिल हुई। प्रिज्म अदाणी प्रॉपर्टीज के बाद देश की दूसरी सबसे मूल्यवान गैर-सूचीबद्ध रियल एस्टेट कंपनी भी रही। टाटा समूह की इंडियन होटल्स कंपनी का मूल्यांकन 93,300 करोड़ रुपये दर्ज किया गया, जबकि हाल ही में सूचीबद्ध हुई आईटीसी होटल्स ने 32,300 करोड़ रुपये के मूल्यांकन के साथ सूची में पहली बार जगह बनाई। एक दशक पहले सीमित योगदान देने वाला आतिथ्य क्षेत्र अब कंपनियों की संख्या के लिहाज से दूसरा सबसे बड़ा वर्ग है, सूची में कुल 24 कंपनियां शामिल हैं जिनका कुल मूल्यांकन 2.85 लाख करोड़ रुपये है। हुरुन इंडिया के अनुसार उपभोक्ता खर्च से जुड़े क्षेत्रों ने बेहतर प्रदर्शन किया, जबकि आवासीय और वाणिज्यिक रियल एस्टेट जैसे डेवलपर्स-निर्भर क्षेत्रों में गिरावट आई। कुल 151 कंपनियों में से केवल 31 के मूल्यांकन में वृद्धि हुई, जिसमें आतिथ्य और खुदरा क्षेत्र ही अग्रणी रहे।

केजी-डी6 गैस उत्पादन में बड़ी गिरावट, रिलायंस-बीपी को झटका

भरपाई के लिए योजना तैयार कर रही कंपनी

नई दिल्ली ।

रिलायंस इंडस्ट्रीज और बीपी द्वारा संचालित कृष्णा-गोदावरी (केजी-डी6) ब्लॉक से प्राकृतिक गैस उत्पादन में चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में सालाना आधार पर करीब सात प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। इस अवधि में उत्पादन घटकर 2.48 करोड़ मानक घन मीटर प्रतिदिन (एमएमएससीएमडी) रह गया, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 2.66 करोड़ एमएमएससीएमडी था। कंपनी ने बताया कि यह गिरावट प्राकृतिक आधार पर जारी है, और पिछली जनवरी-मार्च तिमाही में उत्पादन 2.52 करोड़ एमएमएससीएमडी था। विश्लेषकों से बातचीत में कंपनी ने स्वीकार किया कि केजी-डी6 के दूसरे चरण की गैस परियोजनाओं का उत्पादन जनवरी-मार्च 2024 में 3.06 करोड़ एमएमएससीएमडी के शीर्ष पर पहुंचा था, जिसके बाद से इसमें लगभग 19 प्रतिशत की कमी आई है। रिलायंस ने तत्काल यह नहीं बताया कि उत्पादन में गिरावट कब तक जारी रहेगी। हालांकि, कंपनी के एक अधिकारी ने कहा कि इस गिरावट की भरपाई के लिए योजना तैयार की गई है, जिसकी जानकारी जल्द दी जाएगी। केजी-डी6 ब्लॉक में रिलायंस इंडस्ट्रीज की 66.67 प्रतिशत और बीपी की 33.33 प्रतिशत हिस्सेदारी है। पुराने डी-1 और डी-3 क्षेत्रों के बंद होने के बाद, रिलायंस और बीपी ने आर-क्लस्टर, सैटेलाइट क्लस्टर और एमजे जैसी गहरे समुद्र की गैस परियोजनाओं में लगभग 5 अरब डॉलर का निवेश कर उत्पादन शुरू किया था। अप्रैल-जून तिमाही में गैस से औसत प्राप्ति कीमत 8.89 प्रति इकाई (एमएमबीटीयू) रही, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 9.97 डॉलर से कम थी। वहीं, तेल/कंडेन्सेट से औसत प्राप्ति कीमत बढ़कर 107.4 डॉलर प्रति बैरल हो गई, जो एक वर्ष पहले 69.9 प्रति बैरल थी।

सेबी ने फॉरेंसिक ऑडिट पैनल का विस्तार किया, वित्तीय निगरानी को मिलेगा बल

प्रमुख फर्मों समेत 18 कंपनियों को तीन साल के लिए पैनल में शामिल किया गया

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सूचीबद्ध कंपनियों के वित्तीय विवरणों के फॉरेंसिक ऑडिट के लिए अपने विशेषज्ञ पैनल में 18 नई फर्मों को शामिल किया है। यह कदम वित्तीय पारदर्शिता को मजबूत करने और निवेशकों के हितों की बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित करने के नियामक के प्रयासों का हिस्सा है। इस विस्तार के साथ, सेबी की सूचीबद्ध कंपनियों की वित्तीय जांच की क्षमता और गहरी होगी। सेबी ने 15 जुलाई को जारी एक अधिसूचना में बताया कि इन फॉरेंसिक ऑडिटरों का चयन एक निर्धारित सार्वजनिक खरीद प्रक्रिया के तहत किया गया है। ये फर्म पहले से मौजूद ऑडिटरों की सूची के अतिरिक्त होंगी, जिससे पैनल की समग्र क्षमता में वृद्धि होगी। नई सूची के प्रकाशन की तारीख से ये कंपनियां अगले तीन साल तक सेबी के पैनल में अपनी सेवाएं देंगी।

पैनल में शामिल प्रमुख फर्मों में अर्न्स्ट एंड यंग एलएलपी, केपीएमजी एश्योरेंस एंड कंसल्टिंग सर्विसेज एलएलपी, जेडएक्स ग्रांट थॉर्नटन भारत एलएलपी और नांगिया एंड कंपनी एलएलपी शामिल हैं। इनके अतिरिक्त जे सी काबरा एंड एसोसिएट्स, जे मंडल एंड कंपनी एलएलपी, पिपारा एंड कंपनी एलएलपी, आर एस पटेल एंड कंपनी, सारथ एंड एसोसिएट्स, एएसए एंड एसोसिएट्स एलएलपी समेत कुल 18 विशेषज्ञ कंपनियों को इस पैनल में जगह मिली है। नांगिया एंड कंपनी एलएलपी के फॉरेंसिक सलाहकार विभाग के एक वरिष्ठ भागीदार ने इस कदम का स्वागत करते हुए कहा कि पैनल में शामिल होना इन कंपनियों की फॉरेंसिक विशेषज्ञता और वित्तीय पारदर्शिता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने जोर दिया कि यह मान्यता वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र में उनके भरोसेमंद भागीदार के रूप में उनकी भूमिका को और मजबूत करेगी, जिससे निवेशक हितों की बेहतर सुरक्षा हो सकेगी।

शीर्ष 5 कंपनियों का मार्केट कैप 1.54 लाख करोड़ बढ़ा

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को सबसे अधिक फायदा हुआ

-मुंबई ।

बीते सप्ताह शेयर बाजार के सकारात्मक माहौल के बीच सेंसेक्स की शीर्ष 10 मूल्यवान कंपनियों में से पांच के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 1.54 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इस दौरान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को सबसे अधिक फायदा हुआ, जबकि एचडीएफसी बैंक और भारती एयरटेल जैसी कंपनियों को नुकसान उठाना पड़ा। समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 582.06 अंक और एनएसई निफ्टी 127.4 अंक के लाभ में रहा। इस सकारात्मक रुख का असर रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और बजाज फाइनेंस के बाजार मूल्यांकन पर पड़ा, जिससे उनकी हैसियत बढ़ गई। टीसीएस का बाजार पूंजीकरण सर्वाधिक 72,072.3 करोड़ रुपये बढ़कर 8,20,672.70 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कंपनी ने हाल ही में जून तिमाही में शुद्ध लाभ में 4.61 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 29,062.06 करोड़ रुपये बढ़ा, जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपने बाजार पूंजीकरण में 23,884.93 करोड़ रुपये का इजाफा किया। इसके अलावा, बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत 21,946.5 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का पूंजीकरण 7,338.34 करोड़ रुपये बढ़ा। हालांकि, यह सप्ताह सभी के लिए फायदेमंद नहीं रहा। एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) और हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) जैसी पांच कंपनियों की बाजार हैसियत में गिरावट देखी गई। एलएंडटी का बाजार मूल्यांकन 18,097.72 करोड़ रुपये, एलआईसी का 12,080.75 करोड़ रुपये और भारती एयरटेल का 7,706.45 करोड़ रुपये घट गया।

एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन भी 7,084.61 करोड़ रुपये कम हुआ, जबकि हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार पूंजीकरण में 1,221.79 करोड़ रुपये की कमी आई। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी रही, इसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, बजाज फाइनेंस, एलआईसी, लार्सन एंड टुब्रो और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

तिमाही नतीजे, पश्चिम एशिया तनाव तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

निवेशकों की नजर मानसून, कच्चे तेल और वैश्विक घटनाक्रमों पर, कई दिग्गज कंप नियों के आएंगे नतीजे

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार इस सप्ताह कई महत्वपूर्ण घटनाक्रमों के कारण अत्यधिक उतार-चढ़ाव का सामना कर सकता है। विश्लेषकों का मानना है कि कंपनियों के पहली तिमाही के नतीजे, पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों की दिशा दलाल स्ट्रीट की चाल को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इसके अलावा, दक्षिण-पश्चिम मानसून की प्रगति और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां भी बाजार के लिए प्रमुख संकेतक रहेंगी। बाजार के जानकारों के अनुसार इस सप्ताह घरेलू कंपनियों के तिमाही परिणाम और वृहद आर्थिक आंकड़े बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएंगे। उन्होंने बताया कि मानसून की प्रगति और खरीफ फसलों की बुवाई की स्थिति पर निवेशकों की गहरी नजर रहेगी, क्योंकि इनका सीधा असर ग्रामीण मांग, खाद्य महंगाई और भारतीय रिजर्व बैंक की भविष्य की मौद्रिक नीतियों पर पड़ सकता है। वैश्विक स्तर पर पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव और उसके कारण कच्चे तेल की कीमतों पर पड़ने वाले प्रभाव पर निवेशक करीबी नजर रखेंगे।

यश बैंक के मुनाफे में 33.7 फीसदी उछाल, 1,071 करोड़ के पार

मुंबई

` निजी क्षेत्र के प्रमुख बैंक यश बैंक ने मौजूदा कारोबारी साल की पहली तिमाही के शानदार नतीजे जारी किए हैं। जून 2026 को खत्म हुई इस तिमाही में बैंक का स्टैंडअलोन नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 33.7 प्रतिशत उछलकर 1,070.99 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। पिछले साल इसी तिमाही में बैंक को 801 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। बैंक की ब्याज से होने वाली कमाई में भी अच्छी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यश बैंक का नेट इंटरेस्ट इनकम 17.5 फीसदी बढ़कर 2,786.46 करोड़ रुपये रहा, जो बीते साल की समान तिमाही में 2,371 करोड़ रुपये था। इसके साथ ही बैंक का नेट इंटरेस्ट मार्जिन भी 2.5 प्रतिशत से सुधरकर 2.7 प्रतिशत पर आ गया है। डिपॉजिट की लागत में कमी और पीएसएल शॉर्टफॉल डिपॉजिट के बैलेंस में गिरावट आने से बैंक के मार्जिन को मजबूत सहारा मिला है। यश बैंक के लिए सबसे बड़ी राहत की बात यह रही कि इसके फंसे हुए कर्ज में कमी आई है, जिससे एसेट क्वालिटी काफी बेहतर हुई है। बैंक का ग्रॉस एनपीए रेशियो पिछले साल के 1.6 फीसदी से घटकर अब 1.3 फीसदी रह गया है। वहीं, नेट एनपीए रेशियो भी 0.3 फीसदी से कम होकर 0.2 फीसदी पर आ गया है।

अगर बैंक के कामकाज से होने वाले मुनाफे (ऑपरेटिंग प्रॉफिट) की बात करें, तो इसमें सालाना आधार पर 25.5 प्रतिशत की तेजी आई है और यह 1,704 करोड़ रुपये रहा। इसके अलावा बैंक की नॉन-इंटरेस्ट इनकम मामूली रूप से 2.6 फीसदी बढ़कर 1,798 करोड़ रुपये दर्ज की गई।

शुक्रवार को बाजार बंद होने पर यश बैंक के शेयर 0.59 फीसदी की गिरावट के साथ 23.61 रुपये पर थे। हालांकि, साल 2026 में अब तक इस स्टॉक ने निफ्टी 50 के मुकाबले काफी बेहतर प्रदर्शन किया है। जहां इस साल निफ्टी 50 में 6.9 फीसदी की गिरावट आई है।

त्योहारों की दस्तक, मंडियों में सन्नाटा, तेल-तिलहन बाजार में जोरदार उछाल

किसान नहीं बेच रहे सस्ते में, घट गई सोयाबीन-सरसों की आवक

नई दिल्ली ।

आगामी त्योहारों की बढ़ती मांग और मंडियों में किसानों की कम आवक के चलते देश के तेल-तिलहन बाजारों में जोरदार तेजी दर्ज की गई। बीते सप्ताह सरसों, मूंगफली, सोयाबीन तेल-तिलहन समेत कच्चा पामतेल (सीपीओ) और बिनौला तेल के दाम में मजबूती देखी गई। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार किसानों को सोयाबीन जैसी फसलों के पहले ही बेहतर दाम मिल चुके हैं, जिसके चलते वे अब कम कीमत पर बिक्री से कतरा रहे हैं। मंडियों में आवक बेहद कम बनी हुई है, खासकर सोयाबीन की आवक दैनिक खपत की तुलना में काफी कम है। बिनौले की उपलब्धता तो लगभग नगण्य है। दूसरी ओर आगामी त्योहारी मांग जोर पकड़ रही है। बरसात के मौसम में अचार उद्योग से सरसों की मांग बढ़ी है। बिनौले की अनुपलब्धता के कारण ब्रांडेड कंपनियां मूंगफली तेल की ओर रुख कर रही हैं। इसके अलावा, डॉलर के मुकाबले रुपये की गिरावट और सरकार द्वारा पाम-पामोलीन के आयात शुल्क मूल्य में वृद्धि ने भी आयातित तेलों को महंगा कर दिया है, जिससे सभी खाद्य तेलों में मजबूती आई है। इस स्थिति में सरसों का तेल अब सोयाबीन और पाम-पामोलीन से 10-15 रुपये प्रति किलो महंगा बिक रहा है। महाराष्ट्र के लातूर में सोयाबीन प्लांटों ने किसानों को आकर्षित करने के लिए भविष्य के खरीद भाव 7,700 से बढ़ाकर 8,100 रुपये प्रति क्विंटल कर दिए हैं। वहीं, नगण्य उपलब्धता के कारण देश की लगभग 97त्न बिनौला पेराई मिलें बंद हो चुकी हैं, जिससे बिनौला तेल में भी तेजी है। आयातित खाद्य तेलों में पहले हो रहे घाटे में भी कुछ कमी आई है। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 350 रुपये के सुधार के साथ 8,075-8,100 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल 650 रुपये के सुधार के साथ 16,550 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल क्रमशः 90-90 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,705-2,805 रुपये और 2,705-2,855 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 375-375 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 7,550-7,600 रुपये और 7,400-7,475 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 275 रुपये के सुधार के साथ 15,825 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 375 रुपये के सुधार के साथ 15,675 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 300 रुपये के सुधार के साथ 12,350 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।औद्योगिक मांग बढ़ने के बीच बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 400 रुपये के सुधार के साथ 7,350-7,925 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 1,000 रुपये के सुधार के साथ 17,000 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 105 रुपये के सुधार के साथ 2,665-2,965 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। लागत से नीचे दाम पर बिकवाली का अंतर पहले के मुकाबले घटने के कारण समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 225 रुपये के सुधार के साथ 13,850 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

डाउनस्ट्रीम' एल्युमीनियम उद्योगों की सीमा शुल्क घटाने की मांग

कच्चे एल्युमीनियम व कबाड़ पर उच्च आयात शुल्क से बढ़ रही लागत, केंद्र को सौंपा ज्ञापन

नई दिल्ली ।

एल्युमीनियम से तैयार उत्पाद बनाने वाले उद्योगों (डाउनस्ट्रीम) ने केंद्र सरकार से प्राथमिक एल्युमीनियम और एल्युमीनियम कबाड़ (स्क्रैप) पर सीमा शुल्क कम करने की मांग की है। उनका कहना है कि मौजूदा उच्च शुल्क व्यवस्था के कारण सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) पर लागत का भारी दबाव है, जिससे उनकी प्रतिस्पर्धी क्षमता प्रभावित हो रही है। एल्युमीनियम सेकेंडरी मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन सहित प्रमुख उद्योग संगठनों ने हाल ही में खान मंत्रालय को सौंपे संयुक्त ज्ञापन में कहा है कि प्राथमिक एल्युमीनियम पर 8.25 फीसदी और कबाड़ पर 2.75 फीसदी का प्रभावी आयात शुल्क घरेलू उत्पादकों को आयात-समता के आधार पर कीमतें तय करने का मौका देता है, जिससे डाउनस्ट्रीम उद्योगों की लागत बढ़ती है। भारत की प्रति व्यक्ति एल्युमीनियम खपत वैश्विक औसत (11 किग्रा) से काफी कम (2.5 किग्रा) है, जिसकी मुख्य वजह लागत है। संगठनों का दावा है कि पिछले कुछ वर्षों में एमएसएमई के लाभ मार्जिन में 70 फीसदी तक की गिरावट आई है, वहीं हाल के तीन महीनों में वैश्विक कीमतों, मालढुलाई और ऊर्जा लागत बढ़ने से कच्चे माल की लागत 20-35 फीसदी बढ़ी है। उन्होंने उलट शुल्क ढांचे पर भी चिंता जताई है, जहां तैयार एल्युमीनियम उत्पाद मुक्त व्यापार समझौतों के तहत कम शुल्क पर आयात होते हैं, जबकि कच्चे माल पर अधिक शुल्क लगता है। यूरोपीय संघ के कार्बन सीमा समायोजन तंत्र से भारतीय निर्यातकों की प्रतिस्पर्धी क्षमता और प्रभावित होने का खतरा है। उद्योग का मानना है कि शुल्क घटाने से लागत कम होगी, उत्पादन बढ़ेगा और मूल्यवर्धित उत्पादों के निर्यात को प्रोत्साहन मिलेगा। हालांकि, प्राथमिक एल्युमीनियम उत्पादक इस कदम का विरोध कर सकते हैं, क्योंकि मौजूदा व्यवस्था उन्हें बेहतर कीमतें दिलाने में सहायक है।

जेके सीमेंट का शुद्ध लाभ पहली तिमाही में 15.3त्न घटकर 274.62 करोड़

नई दिल्ली ।

वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में जेके सीमेंट ` लिमिटेड का मुनाफा 15.3 प्रतिशत घटकर 274.62 करोड़ रुपए रहा। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि 2025-26 की समान तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 324.25 करोड़ रुपए था। जेके सीमेंट की परिचालन आय जून तिमाही में 20.25 प्रतिशत बढ़कर 4,031.72 करोड़ रुपए हो गई, जो 2025-26 की पहली तिमाही में 3,352.53 करोड़ रुपए थी। कंपनी का कुल खर्च आलोच्य तिमाही में 25.5 प्रतिशत बढ़कर 3,664.82 करोड़ रुपए हो गया। कंपनी की कुल आय जून 2026 को समाप्त तिमाही में 19.41 प्रतिशत बढ़कर 4,070.97 करोड़ रुपए रही।

पीएनबी के मुनाफे में तीन गुना से ज्यादा का बंपर उछाल

मुंबई ।

सरकारी बैंक पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने अप्रैल-जून 2026 तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। इस दौरान बैंक का मुनाफा बढ़कर 5,253 करोड़ रुपये पहुंच गया। पिछले साल इसी तिमाही में बैंक का मुनाफा 1,675 करोड़ रुपये था। यानी इस बार बैंक ने तीन गुना से ज्यादा मुनाफा कमाया है। बैंक ने शेयर बाजार को दी गई जानकारी में बताया कि जून तिमाही में उसकी कुल आय 37,231 करोड़ रुपये रही, जो पिछले साल के मुकाबले लगभग बराबर रही। हालांकि, ब्याज से होने वाली कमाई बढ़कर 32,897 करोड़ रुपये हो गई। एक साल पहले यह 31,964 करोड़ रुपये थी। जून तिमाही में बैंक का ऑपरेटिंग प्रॉफिट भी बढ़ा है। यह 7,519 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 7,081 करोड़ रुपये था। बैंक के खराब कर्ज में भी सुधार देखने को मिला। जून 2026 के अंत तक यह घटकर 2.78 फीसदी रह गया, जबकि एक साल पहले यह 3.78 फीसदी था।

रकम के हिसाब से जीएनपीए 42,673 करोड़ रुपये से घटकर 35,381 करोड़ रुपये रह गया। यानी इसमें 7,292 करोड़ रुपये की कमी आई। वहीं, नेट एनपीए भी 0.38 फीसदी से घटकर 0.26 फीसदी पर आ गया। इसकी कुल राशि 4,132 करोड़ रुपये से घटकर 3,433 करोड़ रुपये रह गई, यानी 699 करोड़ रुपये की कमी दर्ज की गई। हालांकि, बैंक ने खराब कर्ज के लिए इस तिमाही में 792 करोड़ रुपये का रखा है, जो पिछले साल की समान तिमाही के 396 करोड़ रुपये से दोगुना है। वहीं, बैंक का कैपिटल एडिक्वेसी रेशियो भी बढ़कर 18.13 फीसदी हो गया, जो पिछले साल जून के अंत में 17.5 फीसदी था।

पटेल इंजीनियरिंग ने मप्र में 12 किमी सिंचाई सुरंग परियोजना का अहम चरण पूरा किया

1600 करोड़ की इस परियोजना से 2.45 लाख हेक्टेयर को मिलेगा पानी

मुंबई ।

शेयर बाजार में लिस्टेड पेनी कैटेगरी के स्टॉक पटेल इंजीनियरिंग के शेयर सोमवार को फोकस में रहेंगे। कंपनी ने हाल ही में एक अहम घोषणा की, जिसमें बताया गया कि उसने मध्य प्रदेश में बन रही 12 किलोमीटर लंबी, भारत की सबसे लंबी सिंचाई सुरंग परियोजना में बड़ी सफलता हासिल कर ली है। यह 1,600 करोड़ रुपए की लागत वाली परियोजना है, जिसके पूरा होने से राज्य में कृषि और जल आपूर्ति को नया जीवन मिलेगा। पटेल इंजीनियरिंग ने जानकारी दी कि मध्य प्रदेश में स्लीमानाबाद कैरियर नहर परियोजना के तहत बन रही 12 किलोमीटर लंबी सिंचाई सुरंग का कार्य पूरा हो गया है। यह नहर परियोजना पूरी होने के बाद मध्य प्रदेश में लगभग 2,45,000 हेक्टेयर क्षेत्र की सिंचाई क्षमता को बढ़ाएगी। इसके साथ ही, यह जबलपुर और कटनी को प्रतिदिन 28.4 करोड़ लीटर घरेलू और औद्योगिक पानी की भी आपूर्ति करेगी। स्लीमानाबाद कैरियर नहर, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण द्वारा विकसित की जा रही बरगी डायवर्जन परियोजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। पटेल इंजीनियरिंग का शेयर बीते शुक्रवार को बीएसई पर 29.60 पर बंद हुआ, जिसमें 2.28 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। शेयर का 52-सप्ताह का उच्चतम स्तर 40.57 रुपए और न्यूनतम स्तर 22.08 रुपए है। वित्तीय मोर्चे पर कंपनी ने हाल ही में समाप्त हुई मार्च तिमाही में शानदार प्रदर्शन किया। इस तिमाही में कंपनी का मुनाफा दोगुने से अधिक होकर 71.49 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले साल की समान तिमाही में 32.80 करोड़ रुपए था।

रोहित नंबर 1, गिल-मिचेल मार्श 5वें स्थान पर

- वनडे में साल 2023 से सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले टॉप-5 बल्लेबाज

नई दिल्ली। रोहित शर्मा ने साल 2023 ले लेकर अब तक कुल 51 पारियां वनडे क्रिकेट में खेले हैं जिसमें उन्होंने 2303 रन बनाए हैं और इसमें उनके बल्ले से 246 छक्के और 108 छक्के निकले हैं। 51 पारियों में 108 छक्के लगाकर वो साल 2023 से अब तक सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले दुनिया के टॉप-5 बल्लेबाजों की लिस्ट में पहले नंबर पर हैं। इन 51 पारियों में रोहित ने 4 शतक और 16 अर्धशतक भी लगाए हैं।

साल 2023 से लेकर अब तक सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर मुहम्मद वसीम हैं जिन्होंने 46 पारियों में कुल 68 छक्के लगाए हैं जबकि तीसरे नंबर पर मौजूद डेरिल मिचेल ने भी 46 पारियों में कुल 65 सिक्स जड़े हैं।

चयनकर्ताओं पर भड़का दिग्गज, कोहली को भी दे डाली चेतावनी

'रोहित-विराट को सम्मान मिलना चाहिए'

नई दिल्ली। रोहित शर्मा को वनडे वर्ल्ड कप 2027 के प्लान में नहीं शामिल करने वाली रिपोर्ट पर भारतीय दिग्गज रविचंद्रन अश्विन का गुस्सा फूटा है। उन्होंने साफतौर पर कहा है कि रोहित और विराट जैसे खिलाड़ियों को सम्मान मिलना चाहिए। उन्होंने साथ ही यह भी कहा कि अगर आप रोहित को वर्ल्ड कप के प्लान नें नहीं देख रहे थे तो फैसला पहले लेना चाहिए था। अब 12-15 महीने जब वर्ल्ड कप में बचे हैं तो यह फैसला सही नहीं है। साथ ही अश्विन ने विराट कोहली को भी चेतावनी दी है।

रोहित शर्मा के आखिरी इंटरनेशनल मैच की अटकलें लगने लगी हैं। इंडियन एक्सप्रेस की एक्सक्लूसिव रिपोर्ट के बाद खेल जगत में हलचल मच गई है। ज्यादातर लोग इस फैसले की रिपोर्ट से हैरान हैं। सभी ने रोहित शर्मा के समर्थन में कहा है कि वह फिट हैं और उनका फॉर्म भी खराब नहीं है। आंकड़े भी रोहित के पक्ष में ही हैं। वर्ल्ड कप 2023 के बाद से वह सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ी भी हैं। इन्हीं सब बातों को देखते हुए यह खबर किसी को पच नहीं रही है।

विराट कोहली को क्यों अश्विन ने चेताया?

पूर्व स्पिनर ने आगे विराट कोहली पर भी बात की और कहा, 'रोहित और विराट जैसे खिलाड़ियों को सम्मान मिलना चाहिए। विराट कोहली बेहतरीन फॉर्म में हैं। रोहित भी ठीकठाक खेल रहे थे। फिर हमने ऐसा करने के लिए अगस्त 2026 तक आने का इंतजार क्यों किया, जब विश्व कप में सिर्फ 10-12-15 महीने बाकी हैं। आपने इस मामले को यहां तक क्यों खींचा, यह मेरा सवाल है? जिस तरह से यह चल रहा है विराट को भी अपने टॉप फॉर्म में रहना होगा। वरना पता नहीं क्या हो जाएगा। रोहित भी खराब फॉर्म में नहीं हैं। '

रविचंद्रन अश्विन ने क्या कहा?

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने भी इस पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने सबसे पहले कहा, 'यशस्वी जायसवाल को आपको मौका देना है, ठीक है, मगर बतौर कोच, सेलेक्टर और कप्तान यह फैसला किसका होगा? अगर आपने पहले ही अपने दिमाग में बिठा लिया है कि यह खिलाड़ी आप 2027 वर्ल्ड कप में नहीं ले जाएंगे और आपको उनकी जरूरत नहीं है, तो इसको चैंपियंस ट्रॉफी के बाद ही उन्हें बताना चाहिए था। मुझे पता है कि यह दो धारी तलवार की तरह है।' अश्विन ने आगे कहा, 'वहीं अगर आप खिलाड़ियों से जाकर यह कहेंगे कि आप अब उनसे आगे बढ़कर देखना चाहते हैं तो यह किसी भी खिलाड़ी को अच्छा नहीं लगेगा। अगर मेरे साथ भी ऑस्ट्रेलिया में कोच या चयनकर्ताओं ने ऐसा किया होता तो मुझे भी बुरा लगता।

चैंपियन टीम को पहली बार मिलेगी इतनी मोटी रकम

8395 करोड़ की इनामी राशि

नई दिल्ली (एजेंसी)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में कई ऐसे रिकॉर्ड बने जो पहली बार देखने को मिले। वहीं पहली बार टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 48 टीमे खेलीं, सबसे ज्यादा मैच हुए और सबसे लंबा फीफा वर्ल्ड कप भी यही रहा। इस टूर्नामेंट के लिए प्राइज मनी भी ऐतिहासिक है। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के इतिहास की सबसे बड़ी प्राइज मनी का इस बार ऐलान किया गया है। इस बार टूर्नामेंट के लिए कुल 871 मिलियन डॉलर (करीब 8,395.65 करोड़ भारतीय रुपये) का रिकॉर्ड पुरस्कार पूल रखा गया है।

इस बार फीफा विश्व कप 2026 की प्राइज मनी कुल 871 मिलियन डॉलर की राशि में से 703 मिलियन डॉलर (करीब 6775.8 करोड़ भारतीय रुपये) प्रदर्शन के आधार पर बांटे जाएंगे। वहीं 168 मिलियन डॉलर (करीब 1619.2 करोड़ रुपये) सभी क्वालिफाई करने वाली टीमों को भागीदारी शुल्क और तैयारी करने के अनुदान के रूप में मिलेंगे। पिछले संस्करण की बात करें तो विजेता टीम को 348 करोड़ भारतीय रुपये (42 मिलियन डॉलर) मिले थे। रनर अप को 248 करोड़ की राशि दी गई थी। जबकि टूर्नामेंट में शामिल 32 टीमों में कुल 3600 करोड़ रुपए से ज्यादा की इनामी राशि बांटी गई थी।

इस बार फीफा वर्ल्ड कप में क्वालिफाई करने वाली हर टीम को करीब 12.5 मिलियन डॉलर (करीब 120.4 करोड़ रुपये) की राशि मिलेगी। वहीं फीफा द्वारा यह ऐलान भी किया गया है कि इस बार विजेता टीम के सभी खिलाड़ियों को एक खास गोल्डन रिंग भी दी जाएगी।

2026 की प्राइज मनी

- **चैंपियन टीम:** 51 मिलियन डॉलर (490 करोड़ भारतीय रुपये)
- **रनर अप:** 33 मिलियन डॉलर (317 करोड़ भारतीय रुपये)
- **तीसरे स्थान:** 29 मिलियन डॉलर (279 करोड़ भारतीय रुपये)
- **चौथे स्थान:** 27 मिलियन डॉलर (259 करोड़ भारतीय रुपये)
- **5वें-8वें स्थान:** 182 करोड़ रुपये प्रत्येक टीम
- **9वें-16वें स्थान:** 144 करोड़ रुपये प्रत्येक टीम
- **17वें-32वें स्थान:** 105 करोड़ रुपये प्रत्येक टीम
- **33वें-48वें स्थान:** 86 करोड़ रुपये प्रत्येक टीम

अर्जेंटीना और स्पेन के बीच होगा फाइनल

दूसरी ओर, मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना ने सेमीफाइनल में इंग्लैंड को 2-1 से हराकर लगातार दूसरी बार फाइनल में जगह बना ली। इंग्लैंड ने पहले हाफ में बढ़त बनाई थी, लेकिन दूसरे हाफ में एंजो फर्नांडीज ने बराबरी का गोल दागा। इसके बाद इंजरी टाइम में लाउतारो मार्टिनेज ने विजयी गोल कर अर्जेंटीना को फाइनल का टिकट दिला दिया। इस हार के साथ इंग्लैंड का 1966 के बाद पहली बार विश्व कप फाइनल खेलने का सपना टूट गया। वहीं स्पेन ने फ्रांस को 2-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। 2010 में विश्व कप जीतने के बाद यह पहला मौका है जब स्पेन की टीम विश्व कप के फाइनल में पहुंची है।

28314 रन, 1043 विकेट

नहीं रहे महान ऑलराउंडर गैरी सोबर्स

बर्थडे से 11 दिन पहले ली अंतिम सांस

नई दिल्ली (एजेंसी) वेस्टइंडीज ही नहीं क्रिकेट जगत के महान ऑलराउंडर गैरफील्ड सोबर्स का शुक्रवार 17 जुलाई को निधन हो गया। 89 साल की उम्र में उन्होंने अंतिम सांस ली। इसी महीने 28 जुलाई को वह 90 साल के पूरे हो जाते। मगर अब क्रिकेट इतिहास का यह अनोखा सितारा दुनिया को अलविदा कह गया। सर गैरी सोबर्स के नाम रेड बॉल क्रिकेट में 28 हजार से ज्यादा रन और 1043 विकेट दर्ज हैं। उनके बेटे डैनियल सोबर्स ने इस खबर की पुष्टि की।

गैरी सोबर्स का नाम क्रिकेट जगत के महान

ऑलराउंडर्स में गिना जाता है। उन्होंने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 28314 रन बनाए हैं जिसमें से 8032 रन 160 पारियों में उन्होंने वेस्टइंडीज के लिए बनाए। वहीं गेंदबाजी में उनके नाम रेड बॉल क्रिकेट में 1043 विकेट दर्ज हैं और वेस्टइंडीज के लिए भी उन्होंने 159 पारियों में 235 विकेट झटके थे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड द्वारा भी गैरी सोबर्स के निधन पर दुख जताया गया है। बीसीसीआई ने एक्स पर पोस्ट करते हुए शोक व्यक्त किया और खास मैसेज भी लिखा। बीसीसीआई ने लिखा, 'बीसीसीआई सर गैरफील्ड सोबर्स के निधन पर शोक जताता है। वह खेल के एक रियल आइकन थे और क्रिकेट जगत के सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर थे। उनकी उपलब्धियां कैरेबियन क्रिकेट के लिए हमेशा यादों का हिस्सा रहेंगी। उनके परिवार, दोस्तों और सभी खेल प्रेमियों के लिए सांत्वना।'

तीसरे वनडे से पहले भारत को झटका

- मैच विनर खिलाड़ी बाहर आज राहुल-इशान दोनों को मिल सकता मौका!

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच वनडे सीरीज का तीसरा मुकाबला 19 जुलाई को लॉर्ड्स में खेला जाएगा। दूसरे वनडे मैच में टीम इंडिया के ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर चोटिल हो गए थे। बल्लेबाजी के दौरान ही उनके पैर में दिक्कत थी और उपचार के तुरंत बाद अगली ही गेंद पर वह आउट भी हो गए थे। इसके बाद ना वह फील्डिंग करने उतरे और एक भी ओवर गेंदबाजी नहीं की। अब तीसरे वनडे से पहले उनके बाहर होने की जानकारी सामने आ रही है। वाशिंगटन सुंदर को लेकर क्रिकइंफो ने रिपोर्ट दी है कि भारतीय ऑलराउंडर तीसरे वनडे से बाहर हो सकता है। सुंदर के बाहर होने पर कुलदीप यादव को टीम में एंट्री मिल सकती है।

सुंदर ने पहले मैच में नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली थी और छक्का लगाते हुए भारत को जीत तक पहुंचाया था। ऐसे में उनका बाहर होना तीसरे व निर्णायक मैच से पहले टीम इंडिया के लिए एक झटका हो सकता है।

वाशिंगटन सुंदर के बाहर होने से क्यों बढ़ेगी परेशानी?

दरअसल वाशिंगटन सुंदर ने पहले वनडे में मैच विनिंग अर्धशतकीय पारी खेलते हुए इस बात की उम्मीद फैंस व टीम को दे दी थी कि वह निचले क्रम पर अहम मैच विनिंग पारी बल्ले से खेल सकते हैं। वहीं अक्षर, सुंदर और दुबे तीनों मिलकर 20 ओवर गेंदबाजी का भी कोटा पूरा कर सकते हैं। ऐसे में अब भारत के लिए समस्या यह है कि अगर सुंदर की जगह कुलदीप को मौका मिलता है तब भारत का एक बल्लेबाज कम हो जाएगा। ऐसे में उन्हें एक स्पेशलिस्ट बल्लेबाज अतिरिक्त खिलाना पड़ सकता है। ऐसा करने पर टीम में पांच स्पेशलिस्ट गेंदबाज ही रहे जाएंगे।

तीसरे ODI का बदलेगा समय

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का अंतिम और निर्णायक मुकाबला 19 जुलाई को लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर खेला जाएगा। इस मुकाबले में फैंस के मन में अब नई उत्सुकता होगी अपने पसंदीदा स्टार रोहित शर्मा को देखने की। आपको बता दें कि भारत और इंग्लैंड के बीच कार्डिफ में खेला गया दूसरा वनडे मैच भारतीय समयानुसार शाम 5.30 बजे शुरू हुआ था। इस मुकाबले का टॉस शाम 5 बजे हुआ था। जबकि पहला वनडे मैच बर्मिंघम में दोपहर 3.30 बजे से खेला गया था। अब तीसरे वनडे मुकाबले का समय भी बदल चुका है। तीसरा वनडे मैच भी पहले वनडे के समय पर ही खेला जाएगा। अटकलें ऐसी हैं कि रोहित का यह आखिरी मैच भी हो सकता है।

कितने बजे शुरू होगा लॉर्ड्स वनडे?

लॉर्ड्स में खेला जाने वाला तीसरा वनडे मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 3.30 बजे से शुरू होगा। इस मैच का टॉस दोपहर 3 बजे होगा। सीरीज का यह मुकाबला निर्णायक भी होने वाला है। पहला मैच भारत ने जीता था और दूसरा मुकाबला इंग्लैंड ने जीतते हुए सीरीज को 1-1 की बराबरी पर ला दिया था। अब लॉर्ड्स में होने वाला मुकाबला सीरीज का डिसाइडर मैच होगा।

लॉर्ड्स में कितने बजे शुरू होगा मुकाबला?

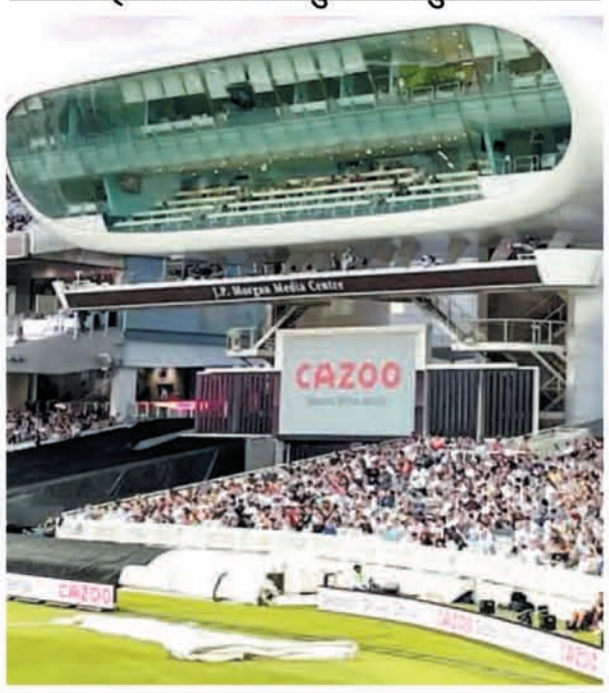

सचिन-गांगुली टॉप पर, रोहित-विराट नंबर सिक्स

- वनडे में सबसे ज्यादा 50+ साझेदारी करने वाले शीर्ष 6 बल्लेबाजों की जोड़ी

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे वनडे मुकाबले में रोहित शर्मा बड़ा स्कोर तो नहीं कर पाए थे, लेकिन विराट कोहली अर्धशतकीय पारी खेलने में सफल रहे थे। इस मैच में रोहित शर्मा और विराट कोहली ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए भारत के लिए अर्धशतकीय साझेदारी की थी और वनडे प्रारूप में दोनों के बीच ये 38वीं 50 प्लस साझेदारी थी। इस साझेदारी के बाद रोहित और कोहली वनडे में सबसे ज्यादा बार 50 प्लस रन की अर्धशतकीय साझेदारी करने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में सातवें नंबर पर आ गए।

'सिर पर तलवार लटकी हो तो कोई अच्छा प्रदर्शन नहीं करेगा'

रोहित को सपोर्ट करते हुए भारतीय खिलाड़ी सदागोपन रमेश ने सेलेक्टर्स को लताड़ा

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ओपनर सदागोपन रमेश ने रोहित शर्मा की रिटायरमेंट की खबरों के बीच भारतीय सेलेक्टर्स को जमकर लताड़ा है। रोहित शर्मा का बल्ला इंग्लैंड के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज के पहले दो मैचों में नहीं चला और कहा जा रहा है कि लॉर्ड्स वनडे उनके करियर का आखिरी मैच साबित हो सकता है। रोहित शर्मा को लेकर अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए पूर्व क्रिकेटर रमेश ने कहा कि अगर हर मैच के साथ आपके सिर पर तलवार लटकी हो तो कोई भी खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाएगा। क्या सेलेक्टर और कोच इस बात को मानेंगे कि उनकी भूमिका हर सीरीज जीतने पर ही टिकी हो, नहीं इसीलिए उन्हें सीधे दो या तीन साल का कॉन्ट्रैक्ट दिया जाता है। इसलिए जब दिग्गजों की बात हो तो सिर्फ एक या दो मैचों के आधार पर कोई फैसला लेना गलत है।

रोहित शर्मा पर है दवाब

रमेश ने आगे कहा कि मुझे समझ नहीं आता कि टीम मैनेजमेंट को सुपरस्टार्स से क्या दिक्कत है। कोई भी रातों-रात सुपरस्टार नहीं बनता। सुपरस्टार वही बनते हैं जो लगातार 15 सालों तक अच्छा प्रदर्शन करते हैं। इसलिए उन्हें उचित सम्मान और वैसा ही बर्ताव मिलना चाहिए।

साउथ अफ्रीका में रोहित की होगी जरूरत

सदागोपन रमेश ने आगे कहा कि अगला वनडे वर्ल्ड कप साउथ अफ्रीका में हो रहा है जहां पिच पर उछाल (बाउंस) होगा। ऐसे में रोहित का चयन फायदेमंद ही साबित होगा क्योंकि उछाल वाली गेंदों को खेलने में वे माहिर हैं। अगर भारत रोहित के बिना वर्ल्ड कप खेलता है तो यह न सिर्फ उनके लिए बल्कि टीम इंडिया के लिए भी नुकसानदेह होगा।

रोहित को रिटायर होने के बाद मिलेंगे इतने हजार रुपये प्रति माह!

जानिए क्या है BCCI की सालाना पेंशन स्लैब

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान व स्टार ओपनर रोहित शर्मा टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट और टेस्ट क्रिकेट से पहले ही रिटायर हो चुके हैं। वो भारत के लिए अब सिर्फ वनडे प्रारूप में ही खेलते हैं और इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में होने वाला तीसरा वनडे उनके करियर का आखिरी मैच हो सकता है। हालांकि ये रोहित पर निर्भर करता है कि वो इस मैच के बाद रिटायर होंगे या नहीं, लेकिन अगर वो रिटायर हो जाते हैं तो उन्हें बीसीसीआई की तरफ से पेंशन के रूप में हर महीने कितने रूपये मिलेंगे ये जानते हैं।

रोहित को मिलेंगे 70 हजार रुपये प्रति माह- बीसीसीआई पूर्व भारतीय खिलाड़ियों को पेंशन देता है और उसके लिए जो स्लैब फिलहाल है उसके मुताबिक जिन पुरुष क्रिकेटर्स ने 25 से ज्यादा टेस्ट मैच खेले हैं उन्हें 70 हजार रुपये प्रति महीने दिए जाते हैं।

रोहित-कोहली के बीच हुई 38वीं बार 50 प्लस रन की साझेदारी- रोहित शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे वनडे मैच में 26 रन की पारी खेली जबकि विराट कोहली ने 65 रन बनाए। इस मुकाबले में शुभमन गिल जब 31 रन बनाकर आउट हो गए तब तीसरे नंबर पर बैटिंग करने आए कोहली और ओपन कर रहे रोहित शर्मा के बीच दूसरे विकेट के लिए लॉर्ड्स में 61 गेंदों पर 60 रन की अच्छी पार्टनरशिप हुई। इसके बाद रोहित शर्मा आउट हो गए और ये साझेदारी टूट गई।

कहीं आप तो नहीं खा रहे फूल झाड़ू की घास से बना जीरा

जानें असली और नकली जीरा पहचानने का तरीका

बाजार में बिकने वाली तमाम मिलावटी चीजों में एक और नाम शामिल हो गया है और वह है जीरा। आपकी रसोई में इस्तेमाल होने वाला ये नकली जीरा फूल झाड़ू में प्रयोग होने वाली घास से बनाया जाता है। आप इस तरीके से पहचान सकते हैं असली व नकली जीरा।

मौजूदा समय में हम ऐसे माहौल में घिरे हैं, जहां दूध से लेकर मिठाइयों और सब्जियों में जमकर मिलावट की जा रही है। एक तरफ जहां पहले लोगों को त्यौहारों पर अपनी सेहत की चिंता होती थी, वहीं अब जरूरी खान-पान की चीजों में मिलावट ने लोगों को बाहर से सामान खरीदने पर सोचने को लेकर मजबूर कर दिया है। मिलावट के इस दौर में अगला नाम है आपकी रसोई में पाया जाने वाला जीरा। जी हां, जीरा आपने बिल्कुल ठीक पढ़ा। अगर आप भी इस बात को सुनकर हैरान हैं तो अब आपको इसे खरीदते वक्त सावधानी बरतनी होगी, क्योंकि बाजार में धड़ल्ले से नकली जीरा बिक रहा है।

जीरा न केवल आपकी रसोई में पाई जाने वाली एक साधारण सी खाद्य सामग्री है, बल्कि इसका इस्तेमाल सब्जियों के स्वाद को बढ़ाने और कई देशी दवाओं को बनाने में किया जाता है। सुबह उठकर खाली पेट जीरे का पानी पीने से आप बड़ी तेजी से वजन भी कम कर सकते हैं। दरअसल दिल्ली पुलिस ने नई दिल्ली के बवाना में नकली जीरा बनाने वाले गिरोह का भांडाफोड़ किया है। जीरा बनाने की नकली फैक्ट्री पर मारे गए इस छापे में पुलिस ने 20 हजार किलो तैयार नकली माल और आठ हजार किलो कच्चा माल जब्त किया है। इस गोरख धंधे का मास्टरमाइंड यूपी के शाहजहांपुर स्थित जलालाबाद का रहने वाला बताया जा रहा है।

कैसे बनता है नकली जीरा?

नकली जीरा बनाने के लिए फूल झाड़ू में प्रयोग होने वाली खास किस्म की घास का प्रयोग किया जाता था। इसके अलावा इसमें पत्थर के दाने भी मिलाए जाते थे। इसके साथ ही इसमें गुड़ के शीरे का भी इस्तेमाल किया जाता था। आपको बता दें कि जिस जंगली घास से फूल झाड़ू बनाई जाती है। वह उत्तर प्रदेश में पांच रुपए प्रति किलो मिलती है। ये घास नदियों के किनारे उगाई जाती है। इसकी पहचान करना इसलिए मुश्किल हो जाता है, क्योंकि इस घास में कई छोटी-छोटी पत्तियां होती हैं, जिसके कारण यह बिल्कुल जीरा जैसा लगता है और मिलावटखोर इसका फायदा उठाने में सफल हो जाते हैं।

ऐसे तैयार होता है नकली जीरा

नकली जीरा बनाने के लिए इस जंगली घास की पत्तियों को गुड़ के पानी में डाला जाता है। पानी में डालने के बाद उसे सुखाया जाता है, जिसके कारण इसका रंग जीरे जैसा हो जाता है। जब इस घास का रंग जीरे जैसा हो जाता है, तब इसे पत्थर के बने पाउडर में डालकर रख दिया जाता है। ऐसा करने के बाद इसे लोहे की एक बड़ी छलनी से छाना जाता है। नकली जीरे को असली रंग देने के लिए इसमें स्लरी पाउडर भी मिलाया जाता है।

20 रुपए किलो में मिलता है नकली जीरा

दिल्ली के कई बाजारों में इस नकली जीरे को दुकानदार 20 रुपए प्रति किलो की मात्रा में खरीदते हैं। जबकि असली जीरे का भाव बाजार में 300 रुपए प्रति किलोग्राम है।

सेहत के लिए हानिकारक है नकली जीरा

-नकली जीरा आपकी इम्युनिटी कमजोर करता है।

-इसके सेवन से स्टोन और त्वचा संबंधी समस्याएं भी हो सकती हैं।

कैसे करें नकली जीरे की पहचान?

असली और नकली जीरे में अंतर पहचानना ज्यादा मुश्किल नहीं है। इसकी शुद्धता की पहचान करने के लिए आप सबसे पहले एक कटोरी में पानी लें और इसमें जीरा डालें। पानी में डालते ही अगर जीरा रंग छोड़ने लगे और टूटना शुरू हो जाए तो समझ लीजिए कि आपकी रसोई में रखा जीरा नकली है। असली जीरा पानी में जाने के बाद वैसा ही रहता है। इसके साथ ही आप इन दोनों में कौन सा असली और कौन सा नकली है इसका पता इसकी खुशबू से भी लगा सकते हैं। असली जीरा में खुशबू होती है, जबकि नकली जीरे में खुशबू नहीं होती।

मच्छरों को भगाने के लिए ट्राई करें ये 6 घरेलू उपाय

जिन लोगों को मच्छर ज्यादा काटते हैं, वो लोग जानते हैं कि मच्छरों का आंतक छोटा नहीं होता। नींद खराब करने के अलावा मच्छर डेंगू, मलेरिया जैसी कई जानलेवा बीमारियां दे सकते हैं। ऐसे में घर में मच्छर भगाने के लिए कई डिवाइस, कॉयल पर पैसे फूंकने पड़ते हैं। वहीं, यह चीजें स्वास्थ्य के लिहाज से सही नहीं हैं। ऐसे में अगर आप मच्छर भगाने का घरेलू इलाज करना चाहते हैं, तो इन उपायों को अपना सकते हैं-

तेजपत्ता

सबसे पहले नीम के तेल में कपूर मिलाकर एक स्प्रे बॉटल में भर लें। अब इस मिश्रण का तेजपत्तों पर स्प्रे करें और तेजपत्ते को जला लें। तेजपत्ते का धुआं सेहत के लिए किसी भी प्रकार से हानिकारक नहीं है। इस धुंए के असर से आश्चर्यजनक रूप से घर के सभी मच्छर भाग जाएंगे।

अजवाइन और सरसों का तेल

सरसों के तेल में अजवाइन पाउडर मिलाकर इससे गत्ते के टुकड़ों को तर कर लें और कमरे में ऊंचाई पर रख दें। मच्छर पास भी नहीं आएंगे।

नीम के तेल का दीपक जलाएं

सोते समय कुछ दूरी पर, सिरहाने कपूर मिले नीम के तेल का दीपक जलाएं, इससे मच्छर आपके पास नहीं फटकेंगे।

नारियल तेल के साथ ये तेल भी करेंगे कमाल

नारियल तेल, नीम तेल, लौंग का तेल, पिपरमिंट तेल और नीलगिरी के तेल को आपस में समान मात्रा में मिलाएं और एक बॉटल में भरकर रख लें। रात में सोते समय त्वचा पर लगाएं और निश्चिंत होकर सो जाएं। यह तरीका बाजार की क्रीम से भी ज्यादा प्रभावशाली है।

पुदीना के पत्तों के रस का छिड़काव करें

पुदीने के पत्तों के रस का छिड़ाव करने से मच्छर दूर भागते हैं। इसे शरीर पर भी लगाया जा सकता है।

तुलसी के पत्तों का रस लगाएं

शरीर पर तुलसी के पत्तों का रस लगाने से मच्छर नहीं काटते हैं। आमतौर पर घरों में लगा तुलसी का पौधा मच्छरों को दूर रखता है।

शिमला मिर्च गुजिया

सामग्री

■ मैदा: 500 ग्राम ■ सूजी: 200 ग्राम ■ घी: मोयन के लिए । **भरावन के लिए** ■ शिमला मिर्च: 1/2किलो ■ आलू: 1/2किलो ■ बारीक कटा अदरक: 1 बड़ा चम्मच ■ बारीक कटी हरी मिर्च: 1 बड़ा चम्मच ■ जीरा: 1 चम्मच ■ चुटकीभर हींग ■ नमक: स्वाद के अनुसार ■ अमचूर: 1/2 चम्मच ■ गरम मसाला: 1/2चम्मच ■ पिसी धनिया: 1 चम्मच ■ बारीक कटा हरा धनिया: 1/2कप ■ तलने के लिए तेल।

विधि

मैदा-सूजी को मिला लें। चाहें तो हल्का-सा नमक भी डाल लें। मोयन डालकर मसलें। आवश्यकता के अनुसार पानी डालकर कड़ा आटा गूंथ लें। आलू और शिमला मिर्च को बारीक-बारीक काट लें। कड़ाही में 1 चम्मच तेल डालकर जीरा डालें। जीरा चटकने पर हींग, अदरक, आलू, शिमला मिर्च एवं नमक डालें। अच्छी तरह चलाकर ढक दें और धीमी आंच पर पकने दें। जब आलू गल जाएं तब शेष मसाले मिलाकर 1-2 मिनट और भूनें। भरावन सामग्री तैयार है। अब गुंथे हुए आटे की छोटी-छोटी पेड़ियां बनाएं। प्रत्येक पेड़ी को पतला गोल बेलें। भरावन सामग्री भरकर दोहरा मोड़ें। गुझिया के सांचे में रखकर दबाएं, जिससे किनारी बन जाए। बचे हुए मैदे को हटा दें। कड़ाही में तेल गर्म करें। धीमी आंच पर सुनहरी होने तक गुझिया तलें। चटनी के साथ गरम-गरम कैप्सिकम गुझिया सर्व करें।

मटर चाट

सामग्री

■ मटर: 250 ग्राम ■ प्याज : 2 बारीक कटा ■ टमाटर: 2 बारीक कटे ■ हरी मिर्च: 2-3 बारीक कटी ■ अदरक: 1 इंच टुकड़ा कद्दूकस किया हुआ ■ हल्दी पाउडर: 1 चम्मच ■ चाट मसाला: 1 चम्मच ■ जीरा पाउडर: 2 चम्मच ■ लाल मिर्च पाउडर: 1/2 चम्मच ■ नमक: स्वाद के अनुसार ■ इमली का रस: 2 चम्मच ■ दही: 4 चम्मच ■ सेव भुजिया: 100 ग्राम ■ हरी धनिया बारीक कटी

विधि

मटर को कुकर में 2 सीटी आने तक उबाल लें। अब एक बाउल में मटर डालें। जितने लोगों के लिए चाट बनाना है, उतने प्लेट में 4 से 5 चम्मच मटर डालें। इसके ऊपर कटा प्याज, टमाटर, हरी मिर्च, कद्दूकस किया अदरक, चाट मसाला, लाल मिर्च पाउडर, भूना जीरा पाउडर और स्वाद के अनुसार नमक डाल लें। इसके ऊपर सेव भुजिया या कोई भी नमकीन डाल सकती हैं। इमली की चटनी इसका स्वाद बढ़ाने के लिए डालें। अब बस ऊपर से कटी हरी धनिया डालकर गरमा-गरम सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेंष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर करेंगे। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)

सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधनों में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। आलस्य का त्याग करे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-1-4-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-2-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-3-5-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि व अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। आगे से रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिलेगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

समाज में मान-सम्मान मिलेगा। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-1-3-5

धनु (ये यो भा भी भू)

कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें। संतान की उन्नति के योग हैं। सभा-गोष्ठियों में मान-

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)
सलाहकार संपादक:
रिजवान सैफ खान
सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,
सह संपादक: राम सिंह यादव उपसंपादक राकेश द्विवेदी
उक्त सभी पद अवैतनिक है

काकुरो पहेली - 3953

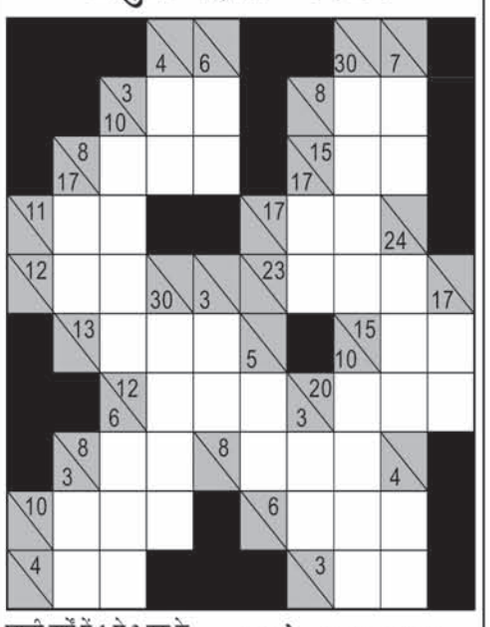

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

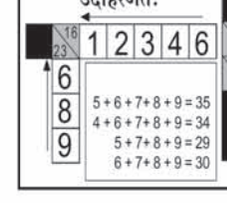

काकुरो - 3952 का हल

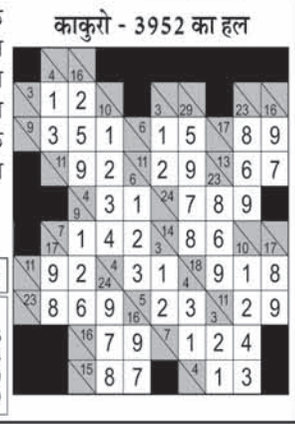

लॉफिंग ज़ोन

प्रेमिका (प्रेमी से)– नरेश, आप जुआ मत खेला करो, जुएँ में अगर आदमी एक दिन जीतता है तो दूसरे दिन हारता भी है।

नरेश– तो ठीक है! तुम्हें घबराने की कोई जरूरत नहीं। आज से मैं एक दिन छोड़कर जुआ खेला करूँगा!

□ □ □

एक रईसजादी ने दो घोड़े खरीदे। उन दोनों घोड़ों की अलग-अलग पहचान के लिए अंतर कैसे रखा जाए, इस बाबद उसने अपने पड़ोसी से पूछा। पड़ोसी ने सुझाया कि एक घोड़े की पूँछ काट दो।

उसने पूँछ काट दी, लेकिन दूसरे दिन दूसरे घोड़े की पूँछ एक झाड़ी में फँस गई और काटनी पड़ी। अब दोनों घोड़े पूँछ कटे हो गए थे। फिर पहचान की समस्या आ खड़ी हुई। उसने फिर पड़ोसी से राय ली।

पड़ोसी ने कहा कि एक घोड़े का एक कान काट दो, लेकिन दूसरे दिन दूसरे घोड़े का कान खेत के चारों तरफ लगी तार फेंसिंग में उलझ कर कट गया।

उसने सुझाया कि उनकी ऊँचाई नाप लो। रईसजादी ने घोड़ों की ऊँचाई नापकर पड़ोसी को बताई– 'सफेद घोड़ा काले घोड़े से दो इंच ऊँचा है।'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3953

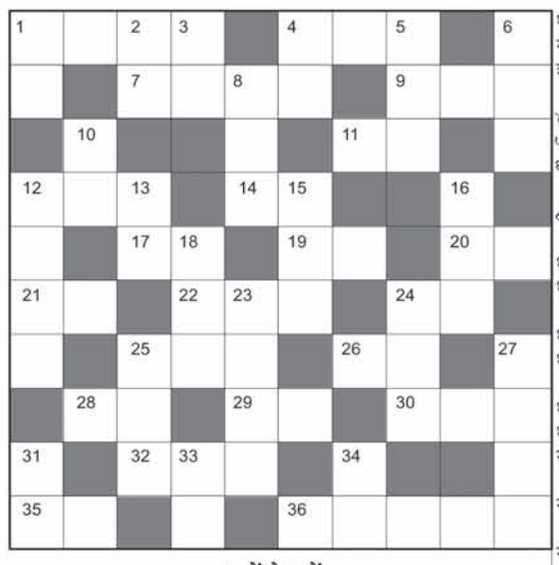

बायें से दायें:-

१. 'इश्क कभी करियो' गीत वाली फिल्म-४
४. 'किस कारण नैया डोली' गीतवाली सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
७. मिथुन, रंभा, वैष्णवी की 'कारी कजरारी कंवारी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मैं एक प्यासी' गीत वाली सनी, संजय, धर्मेन्द्र, रवीना, दिव्या की फिल्म-३
११. विनोद खन्ना, शबाना आजमी की अरूणा विकास निर्देशित फिल्म-२
१२. 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली दिनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म-३
१४. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म-२
१९. सलमान खान, शिल्पा की 'फरियाद क्या करें हम' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'प्यार काहे बनाया' गीत वाली विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२
२१. 'प्रहार' में डिम्पल का नायक कौन-२
२२. जैकी श्रॉफ, मनीषा कोइराला की 'एक बात बताऊं' गीतवाली फिल्म-३
२४. लक्की अली, गौरी की एक फिल्म-२
२५. फिल्म 'बड़े दिलवाला' में प्रिया गिल के साथ नायक-३
२६. संजयकपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से देखा' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'जूली' में प्रियांशु की नायिका-२
२९. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
३२. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
३५. 'राज की बात कह दूं तो' गीत वाली नवीननिश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-२
३६. मिथुन, मधु की तू चीज बड़ी है सख्त सख्त' गीत वाली फिल्म-५

ऊपर से नीचे:-

१. संजीवकुमार, विद्या सिन्हा की फिल्म-२
२. 'एक मैं हूं एक तू है' गीत वाली फिल्म-२
३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
४. सनी, शाहरूख खान, जूही चावला फिल्म-२
५. 'तन्हा तन्हा दिल अपना' गीत वाली फिल्म-३
६. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-३
८. 'चूड़े वाली छमिया मिला' गीत वाली सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म-३
१०. फिल्म 'विश्वनाथ' में नायिका कौन थी ?-२
१२. मनोजकुमार, नंदा की 'जाने चमन शोला बदन' गीत वाली फिल्म-४
१३. इमरान, शाहबाज, तब्बू की फिल्म-२
१५. परीक्षित साहनी, नूतन की 'एक छोरा है गोरा' गीत वाली फिल्म-३
१६. आफताब, लिसा रे की फिल्म-३
१८. 'बिन साजन झूला झूलू' गीत वाली फिल्म-३
२३. राजेंद्रकुमार, धर्मेन्द्र, मालासिन्हा की 'बोल मेरे साथिया' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
२५. अक्षय, अजय, करिश्मा, नगमा की 'तेरे लिए जानम' गीत वाली फिल्म-३
२७. अक्षय कुमार, करीना, प्रियंका की फिल्म-४
३१. 'कहाँ गये ममता भरेदिन' गीतवाली फिल्म-२
३३. 'बाबूजी जरा धीरे चलो' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया की फिल्म-२
३४. अमिताभ, ओमपुरी, फरदीन, करीना की 'जब नही' गीत वाली फिल्म-२

९५३फिल्म वर्ग पहेली- 3885

बे	व	फा		ब		प्रे	म	रे	ग
खु		य	ल	गा	र		ह्म		ब
दी	वा	र		व		आ	न	बा	न
	दा		श्व	त	रं	ज		जी	
स		श्व	क्ति		ग		जं	ग	ली
हे	मा		मा	या		सा	ग	र	
ली		शा	न		का	ज	ल		स
	स	र		जु	नू	न		फू	ल
शा	न	दा	र		न		शू		मा
	म		वि	द्या		ब	ल	वा	न

सूडोकु -3953

6					7			
		8	2				7	5
	4			3				6
	7	1			2		5	
8				4				3
	2		8			9	6	
2				8			3	
4	3				9	8		
			3					9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3952 का हल

7	4	6	9	1	5	8	3	2
1	5	2	8	3	7	4	6	9
9	3	8	2	6	4	7	1	5
8	6	4	7	9	1	5	2	3
5	2	7	3	4	6	9	8	1
3	9	1	5	8	2	6	7	4
2	7	9	1	5	8	3	4	6
6	1	5	4	7	3	2	9	8
4	8	3	6	2	9	1	5	7

शब्द पहेली - 3953

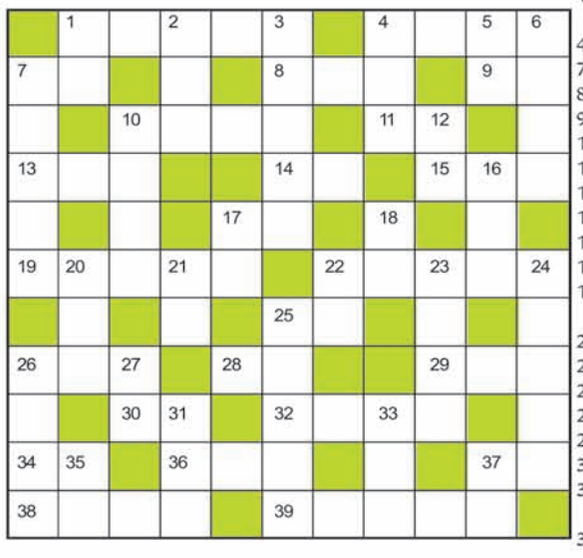

बाएँ से दाएँ

1.महर्षि वेदव्यास द्वारा रचित महाकाव्य-5
4.आज्ञापत्र, पतंगा-4
7.शरीर, बदन-2
8.होशियार, हुनरमंद-3
9.नस, नाड़ी-2
10.तीर रखने का पात्र-4
11.गधा, गर्दभ-2
13.जो बंदी हो-3
14.पत्नी, भार्या-2
15.दृष्टि, निगाह-3
17.खैरात, दक्षिणा-2
19.अपने ही घर में कैद होना-5
22.भाग्यवाला-5
25.जी, इच्छा-2
26.तन, काया-3
28.दुनिया, संसार-2
29.वेतन-3
30.भीगा हुआ-2
32.सागौन, एक प्रकार की मूल्यवान लकड़ी-4
34.परिणाम,हल,फ्रूट-2
36.सचेग-3
37.राजकपूर,नरगिस की फिल्म-2
38.चाणक्य के समय मगध की राजधानी-4
39.निरस्त करना-2,3

ऊपर से नीचे

1.आमिर,मनीषा कोइराला की फिल्म-2
2.रवि, सूर्य-3
3.तमाशा देखनेवाले-5
4.परीक्षण,जांच-3
5.सप्ताह का दिन-2
6.जो नापसंद हो (उर्दू-4)
7.गोविंदा व खुशबू की फिल्म-2,3
10.भाग्य,किस्मत-4
12.क्रिकेट में बनते हैं-2
16.नसीरुद्दीन शाह की एक फिल्म -3
17.खुजली-2
18.रस्सी पर अपराधी को लटकाना-2
20.आवश्यक-3
21.कैदी, बंधक-2
22.इसाई साध्वी-2
23.बालकपन-4
24.असावधान-5
25.महासमुद्र-5
26.सज्जनता, भद्रता-4
27.अभिषेक की फिल्म-2
31.मुद्दा (उर्दू-3)
33.वाचन करनेवाला-3
35.उद्देश्य-2
37.आगमन,आने का भाव-2

शब्द पहेली -3952 का हल

उ	थ	ल	पु	थ	ल		मा	न	व	ता
त	न		ल		ल	ग्वा	ई		श	र
रा		आ	क	र्ष	क		न	स		को
धि	क्का	र	ना			अ		ध	प	ल
का		ब		भा	गी	दा	र		र	
र	म	ण	यो	ज्य		व	ज	न	दा	र
	ह		ग	फ	ल	त		म		ह
द	ल	ना		ल			य	की	न	न
ह		का	व्य		त	न	म	न		स
ह	रा		स	ला	मी		रा		रा	ह
रा	ह	ज	न		ज	हा	ज	धा	ल	न

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी